दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 277/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 17 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

आज से शुरू होंगे आईपीएल के बचे मैच
कोलकाता के लिए करो या मरो वाला मैच

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार-2023' से सम्मानित किए जाने पर दी हार्दिक बधाई

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा पूज्य संत, पद्मविभूषित जगद्गुरु तुलसीपीठाधीश्वर, रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज को संस्कृत भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान हेतु प्रतिष्ठित 'ज्ञानपीठ पुरस्कार-2023' से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें आत्मीय बधाई दी है।

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी का संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, विद्वता और करुणा का अनुपम संगम है। उन्होंने शारीरिक सीमाओं के बावजूद ज्ञान, संस्कृति और संस्कृत साहित्य के संवर्धन हेतु जो कार्य किया है, वह समूचे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका यह सम्मान वास्तव में उस सनातन चेतना का सम्मान है, जो भारत की आत्मा में प्रवाहित होती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संस्कृत भाषा और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने के लिए जगद्गुरु जी ने जो अनथक साधना की है, वह एक युगद्रष्टा संत की पहचान है।

ऑपरेशन सिंदूरः सांसदों की सात टीमें दुनिया में पाक के आतंकी चेहरे को करेंगी बेनकाब

सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल तैयार, 23 या 24 मई को भारत से रवाना होंगे

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपने जीरो टॉलरेंस के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने के लिए इस महीने के अंत में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख साझेदार देशों में भेजेगी। संसदीय कार्य मंत्रालय की शनिवार को जारी एक बयान में कहा गया,

ये सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत की आतंकवाद के विरुद्ध एकमत और दृढ़ रणनीति को दुनिया के सामने रखेगा। वे आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत के सख्त रुख का संदेश लेकर जाएंगे। सरकार ने इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले नेताओं का चयन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से किया है, जो कई वैचारिक पृष्ठभूमि से आते हैं। सातों प्रतिनिधिमंडल 23 या 24 मई को भारत से रवाना होंगे। फिर अगले 10 दिन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों में जाएंगे। वहां बताएंगे कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का दृष्टिकोण क्या है और आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन क्यों और कैसे लिया गया।

कौन करेगा नेतृत्व, कहां जाएगा प्रतिनिधिमंडल

प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सांसद रवि शंकर प्रसाद व बैजयंत पांडा भाजपा, शशि थरूर कांग्रेस, संजय झा, कनीमोझी, सुप्रिया सुले एनसीपी - शरद पवार गुट, श्रीकांत शिंदे शिवसेना। इनमें से हर एक प्रतिनिधिमंडल पांच देशों का दौरा कर सकता है। इनमें शामिल होंगे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देश और भारत के प्रमुख रणनीतिक साझेदार। बयान में यह भी कहा गया कि हर प्रतिनिधिमंडल में भारत के वरिष्ठ और अनुभवी राजनयिक भी शामिल होंगे।सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में चार नेता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से हैं, जबकि तीन विपक्षी इंडिया गठबंधन से आते हैं। मंत्रालय के बयान में यह भी बताया गया कि प्रत्येक प्रतिनिधिमंडल में प्रतिष्ठित राजनयिक भी शामिल होंगे।

कांग्रेस ने इन नेताओं का नाम दिया

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, संसदीय कार्य मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता से बात की। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को लेकर भारत के रुख को समझाने के लिए विदेश भेजे जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए चार सांसदों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार दोपहर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री को कांग्रेस की ओर से चार नाम देते हुए पत्र लिखा। रमेश के अनुसार, राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल के लिए आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग का नाम दिया है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू बोले

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, जो क्षण सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, उनमें भारत एकजुट होता है। जल्द ही सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रमुख देशों का दौरा करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ हमारी साझा नीति को दुनिया के सामने रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा, यह राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता का मजबूत प्रतीक है।

शशि थरूर और सुप्रिया सुले ने कहा

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि, मैं भारत सरकार के निमंत्रण से सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिसमें मुझे हाल की घटनाओं पर हमारे देश का दृष्टिकोण पांच महत्वपूर्ण देशों की राजधानियों में जाकर प्रस्तुत करने के लिए सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने को कहा गया है। जबकि एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, पीएम मोदी ने सांसदों की सात समितियां बनाई हैं, जो दूसरे देशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की कहानी का हमारा पक्ष उन देशों के सामने रखेंगी। मुझे केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का फोन आया, जिन्होंने मुझे इनमें से एक समिति का हिस्सा बनने के लिए कहा। यह बहुत स्पष्ट है कि जब हमारे देश का सवाल होता है, तो हम सब एक साथ होते हैं। सांसदों की प्रत्येक समिति में पांच सदस्य होंगे, जो लगभग 10 दिनों के दौरे पर जाएंगे, जिसमें पांच से आठ देश शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज चोपड़ा को 90 मीटर भाला फेंकने पर दी बधाई कहा - 'भारत गौरवान्वित'

नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, जिसकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर सराहना की। नीरज ने दोहा डायमंड लीग 2025 में 90.23 मीटर का थ्रो फेंककर यह कीर्तिमान स्थापित किया, हालांकि वे दूसरे स्थान पर रहे। पीएम मोदी ने शनिवार को उनकी इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह नीरज के समर्पण, अनुशासन और जुनून का परिणाम है।

फाईल फोटो

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा, भारत खुश और गौरवान्वित है। नीरज चोपड़ा को दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने और सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो के लिए बधाई। यह उनकी मेहनत और लगन का फल है। नीरज ने तीसरे प्रयास में 90.23 मीटर का थ्रो किया, लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर ने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर का थ्रो फेंककर पहला स्थान हासिल किया।

27 वर्षीय नीरज, जो दो बार के ओलंपिक पदक विजेता हैं, दुनिया के 25वें और एशिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने 90 मीटर से अधिक का थ्रो किया। एशिया में पाकिस्तान के अरशद नदीम (92.97 मीटर) और चीनी ताइपे के चाओ सुन चेंग (91.36 मीटर) ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। नीरज ने कहा, ÷90 मीटर का आंकड़ा छूना खुशी की बात है, लेकिन दूसरा स्थान मिलना कड़वा-मीठा अनुभव है। मैं अपने कोच के साथ थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहा हूं। पहले कमर दर्द की समस्या थी, लेकिन अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि विश्व चैंपियनशिप तक मैं और बेहतर प्रदर्शन करूंगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बीच केंद्र का बड़ा कदम, 66 अधिकारियों का तबादला

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बिगड़ते रिश्तों और ऑपरेशन सिंदूर के बीच केंद्र सरकार ने राजधानी दिल्ली में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की है। गृह मंत्रालय ने एजीएमयूटी कैडर में तैनात 40 आईएएस व 26 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत 11 आईएएस अधिकारियों को दिल्ली से बाहर भेजा गया है, जबकि दिल्ली पुलिस में डीसीपी और उससे ऊपर के 11 अधिकारियों को भी राजधानी से स्थानांतरित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रदेश में मेट्रो-पोलिटन एरिया के गठन संबंधी मीटिंग की।

पाक पीएम ने माना भारत के हमले में नूरखान एयरबेस समेत कई ठिकाने हुए तबाह

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कुबूल किया है भारत के जवाबी हमले में उनके कई एयरबेस तबाह हो गए हैं, खास तौर पर नूरखान एयरबेस। पाकिस्तान का यह कबूलनामा अब दुनिया के सामने है। यह वही पाकिस्तान है जो कल तक ये कह रहा था कि कुछ हुआ ही नहीं है और अपने लोगों को बेवकूफ बनाकर जीत का जश्न मना रहा था। अब वही कह रहा है कि नुकसान हो गया है। शहबाज शरीफ का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। इस में वह कहते हैं, 9 और 10 तारीख की दरमियानी रात के करीब ढाई बजे सिपासलाहर जनरल असिम मुनीर ने मुझे सिक्योर फोन पर बताया कि वजीरे-आजम साहब हिंदुस्तान ने अपने बैलेस्टिक मिसाइल अभी लॉन्च किए हैं जिनमें से एक नूरखान एयरबेस पर गिरा है और कुछ दूसरे इलाकों में भी गिरे हैं हमारी वायुसेना ने अपने देश को बचाने के लिए स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया और उन्होंने चीनी लड़ाकू विमानों पर आधुनिक गैजेट और तकनीक का भी इस्तेमाल किया।

सबसे अहम एयरबेस है नूरखान

बता दें कि नूर खान कोई साधारण एयरबेस नहीं है। यह पाकिस्तान के वीवीआईपी और हाई लेवल मिलिट्री एविएशन का सेंटर है। इस्लामाबाद से इसकी निकटता और इसका डबल रोल एयरबेस को पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील हवाई ठिकानों में से एक बनाती है। अब तक हमलों के बाद उपलब्ध सभी सैटेलाइट तस्वीरों से यह बात जाहिर होती है कि भारतीय वायुसेना ने पूरी सटीकता के साथ हमला किया था और किसी भी जगह पर कोई भी टारगेट चूकता हुआ नहीं दिखाई देता है।

व्यापारियों को बड़ी राहतः फिर से खुला अटारी-वाघा बॉर्डर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच हुई अहम बैठक के एक दिन बाद, भारत ने अफगानिस्तान से व्यापारिक रिश्ते बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। भारत ने 160 अफगानी ट्रकों को अटारी बॉर्डर के रास्ते देश में प्रवेश की अनुमति दे दी है। ये ट्रक मुख्य रूप से ड्राई फ्रूट्स (सूखे मेवे) लेकर भारत आएंगे। मुत्ताकी ने 16 मई को खुद जयशंकर को फोन किया था, जब वह ईरान और चीन की यात्रा पर जा रहे थे। भारत ने इसे अहम कूटनीतिक संकेत माना है। भारत ने तालिबान द्वारा पहलगाम हमले की निंदा और पाकिस्तान द्वारा फैलाई जा रही अफ़वाहों में शामिल न होने के लिए भी अफगान नेतृत्व का आभार जताया है।

आतंकी हमले के बाद बंद हुआ था अटारी चेक पोस्ट

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अटारी एकीकृत जांच चौकी को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। इससे अफगानिस्तान से आने वाले उत्पादों की सप्लाई पर असर पड़ा। 16 मई को भारत सरकार ने पांच ट्रकों को ड्राई फ्रूट्स लेकर अटारी पहुंचने की अनुमति दी थी, जिसे सप्लाई रूट के पुनः सक्रिय होने की शुरुआत माना गया।

केदारनाथ में एयर एंबुलेंस क्रैश, हेलीकॉप्टर में बैठे 3 लोग सुरक्षित

गढ़वाल। उत्तराखंड की केदार घाटी में एक बार फिर हेलीकॉप्टर (एयर एंबुलेंस) दुर्घटना हुई है। हादसे के वक्त हेलीकॉप्टर में पायलट समेत तीन लोग सवार थे। गनीमत रही कि यह सभी पांच लोग सही सलामत बाहर निकल आए है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय के मुताबिक मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह एयर एंबुलेंस ऋषिकेश एम्स से केदारनाथ धाम आ रहा था। केदारनाथ हेलीपैड पर लैंडिंग के समय कोई तकनीकी दिक्कत आने की वजह से हेलीकॉप्टर का बैलेंस बिगड़ गया। यह एयरएंबुलेंस केदारनाथ धाम एक मरीज को लेने पहुंचा था। गढ़वाल प्रशासन के मुताबिक एयर एंबुलेंस ने ऋषिकेश एम्स से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी। हेलीकॉप्टर हेलीपैड पर लगभग लैंड कर चुका था।

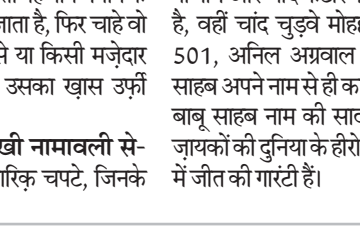

भोपालः तहज़ीब, तालीम, तरक्क़ी और तासीर का शहर

दुआ है कि गंगा-जमुनी तहज़ीब को कभी कोई बुरी नज़र न लगे और इसकी खूबसूरती बनी रहे

ताहिर अली
लेखक जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं

यदि मंदिरों से घंटियों की मधुर आवाज़ और मस्जिदों से बुलंद अज़ान एक साथ गूंजे, तो समझ लीजिए आप उस शहर में हैं, जहाँ सदियों से गंगा-जमुनी तहज़ीब ने अपने खूबसूरत रंग बिखेरे हैं। यह शहर है भोपाल झीलों की नगरी, नवाबी संस्कृति की परछाईं, प्राकृतिक सौंदर्य की मिसाल और ऐतिहासिक धरोहरों का सजीव संग्रह।

भोपाल की सबसे बड़ी खासियत इसकी साझा संस्कृति है। यहाँ तालाब के बीचों-बीच मंदिर, मस्जिद और मजारों का साथ-साथ दिखना आम बात है। यही वह शहर है, जहाँ सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक ताजुल मस्जिद है, तो वहीं विश्व की सबसे छोटी मस्जिद मानी जाने वाली 'ढाई सीढ़ी मस्जिद' भी यहीं स्थित है। भोपाल में उर्दू भाषा का उपयोग लगभग सभी समुदाय के लोग करते हैं। भोपाल की सड़कों पर चलते हुए अगर कोई राहगीर किसी मोहल्ले का पता पूछ ले, तो भोपाली उसे दरवाजे तक छोड़कर आते हैं। यही इसकी तहज़ीब है, यही इसकी पहचान है। भोपाल की एक बात ओर मशहूर है कि जो भी भोपाल आता है यहां के लोग उसे सीने से लगा लेते हैं। हिन्दुस्तान के किसी भी कोने से जो भोपाल आया जैसे नौकरीपेशा या कोई भी व्यवसाय के लिए यहीं का होकर रह गया। भेल कारखाना इसका जीता-जागता उदाहरण है। ज्यादातर नौकरी पेशा अधिकारी एवं कर्मचारी रिटायर होने के बाद भोपाल को ही अपना मानकर यहीं बस गए। काफी लोग कारोबार करने के उद्देश्य से यहीं आकर आबाद हो गये।

भोपाल की मज़ेदार 'उर्फ़ियत' नाम के पीछे नाम की दुनिया!- भोपाल, भोपाली और भोपालियत की पहचान केवल ताल-तालैया और ऐतिहासिक इमारतों आबोहवा, तहजीब और संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी अनोखी और मज़ेदार 'उर्फ़ियतों' के लिए भी मशहूर है। जब किसी मोहल्ले में एक ही नाम के कई लोग हों, तो पहचान बनाने के लिए नाम के पीछे कुछ जोड़ना लाज़मी हो जाता है, फिर चाहे वो पहनावे से जुड़ा हो, बोलचाल से, शौक से या किसी मज़ेदार किस्से से हर भोपाली को मिल जाता है उसका ख़ास उर्फ़ी टाइटल।

तो मिलिए भोपाल की इस अनोखी नामावली से- तारिक़ टाई, जो हमेशा टाई में दिखते थे, तारिक़ चपटे, जिनके गाल खुद गवाही देते हैं, तारिक़ होंठ कटे, जिनके होंठों की कहानी हर गली जानती है, और तारिक़ झबरे, जिनकी आंखें ही उनकी पहचान हैं। आरिफ़ अंडे का नाश्ता शहर भर में मशहूर है, तो आरिफ़ बुलबुल अपने गले से सबको दीवाना बना देते हैं। बाबूलाल 501 नाम की सिगरेट की तरह मशहूर हैं, और सेठ छगनलाल, जिनका सेठपना मोहल्ले में आज भी कायम है। रविंद्र सिंह लखरत, बाबूलाल लठमार, चांदमल हिटलर, मोहन पंचायती, लाला मुल्कराज, सरदारमल लालवानी, नाहर सिंह सूरमा भोपाली, कन्हैयालाल 'बीड़ी' और के. अमीनउद्दीन-301 तो अपनी शान और रसूख़ के लिए पहचाने जाते हैं। अखिलेश अग्रवाल गफूरे और वहीद अग्रवाल की उर्फ़ियतें उनकी दोस्ती और कारोबार की दास्तान सुनाती हैं। हफ़ीज़ पाजामे और चांद कटोरे का नाम सुनते ही भोपाल मुस्कुरा उठता है, वहीं चांद चुड़वे मोहल्ले की कहानियों के नायक हैं। सुरेश 501, अनिल अग्रवाल पटीये, और देवेश सिमहल वकील साहब अपने नाम से ही काफ़ी असरदार हैं। बाबू साहब घोड़े और बाबू साहब नाम की सादगी में गजब की शान है। आलू बड़े, ज़ायकों की दुनिया के हीरो हैं, और लोक सिंह ताल ठोंकू हर बहस में जीत की गारंटी हैं।

- शेष पेज 8 पर

भगवान महावीर की शिक्षा 21वीं सदी के लिए शांति, करुणा और अहिंसा का मार्ग

भगवान महावीर और जैन धर्म की शिक्षाएं 21वीं सदी में व्याप्त जटिल, दर्दनाक एवं हिंसक समस्याओं के लिए व्यावहारिक, नैतिक, सामान्य ज्ञान पर आधारित तथा करुणामय समाधान प्रस्तुत करती हैं। यह देखकर संतोष होता है कि जैन धर्म की अहिंसा की अवधारणा आज वैश्विक स्तर पर स्वीकार की जा रही है। हाल के वर्षों में पश्चिमी देशों में शाकाहार का चलन तीव्र गति से बढ़ा है। आज अनुमानत: 1 करोड़ (10 मिलियन) से अधिक लोग पौधे-आधारित आहार अपना चुके हैं। यह जीवनशैली जिसमें पशु-व्युत्पन्न उत्पादों जैसे दूध व डेयरी का भी त्याग शामिल है अच्छे स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन के लिए प्रभावी मानी जा रही है। इस परिवर्तन का परिणाम यह हुआ कि अमेरिका सहित अनेक देशों में शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसने वाले विशेष रेस्टोरेंट्स का उदय हुआ है, जो इस बढ़ती मांग को पूरा कर रहे हैं। यह मानवता की सच्ची सेवा होगी यदि दुनिया भर के जैन एकजुट होकर भगवान महावीर की कालजयी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाएँ, जिससे शांति, अहिंसा, सद्भाव और समृद्धि को बढ़ावा मिल सके — ये आदर्श आज के युग में भी उतने ही आवश्यक हैं जितने 2500 वर्ष पूर्व थे। अब समय आ गया है कि हम सभी मिलकर इस परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत करें। एक हज़ार मील की यात्रा भी पहले कदम से ही शुरू होती है। आइए वह पहला कदम आज ही उठाएँ। अहिंसा केवल जैन धर्म की नहीं, सम्पूर्ण मानवता की आवश्यकता है; करुणा ही वह शक्ति है जो क्रोध और हिंसा को पराजित कर सकती है; जब हम अपने आहार, विचार और व्यवहार में अहिंसा को उतारते हैं, तभी सच्चे अर्थों में मानव कहलाते हैं; महावीर की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है — Live and Let Live जैन दर्शन कोई मात्र धार्मिक विचार नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है सादा जीवन, ऊँचे आदर्श।

एन. सुगाल चंद जैन ,चेन्नई

बरखेड़ा पीएमश्री एमएलबी स्कूल गर्ल्स में चल रहे समर कैंप का समापन

बच्चों के कौशल को मिल रही है सही दिशा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

पीएमश्री शासकीय एमएलबी कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय बरखेड़ा भेल में इस समय समर कैंप के माध्यम से विभिन्न रोचक गतिविधियों का विगत 1 मई से लगातार आयोजन किया जा रहा था इसमें प्रतिदिन विषय विशेषज्ञों के द्वारा नृत्य आर्ट एंड क्राफ्ट पेंटिंग चित्रकला योग मेडिटेशन खेल , रोबोटिक्स, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंट,भाषाई कौशल ,थीम्स में विद्यार्थियों का चयन किया गया तथा उनको इन कलाओं की बारीकी से दिग्दर्शन करते हुए उनकी छुपी ही प्रतिभाओं को तराशने का काम किया गया ,आज की तेजी से बदलती हुई दुनिया में केवल विषय का ज्ञान एवं पारंपरिक कौशल के अलावा 21वीं सदी के इस योग्यताओं की जरूरत महसूस की जा रही है अत: समय के अनुसार समर कैंप के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मक सृजनशीलता संचार अनुकूलता कल कौशलों का विकास एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करना समर कैंप का प्रमुख उद्देश्य है यह समर कैंप मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग से श्री आर ऐस तोमर अपर संचालक के निगरानी में ,संस्था की प्राचार्य श्रीमती स्मिता मेश्राम के मार्गदर्शन में प्रभारी डॉक्टर जितेंद्र पाल सिंह चौहान के देख रेख में संचालित किया गया ,जिसमें आर्ट और क्राफ्ट विशेषज्ञ श्रीमती भोमेश्वरी पारधी, नृत्य ,कुमारी ज्योति, पेंटिंग,योग एंड मेडिटेशन ,डॉ जितेंद्र चौहान खेल ,श्रीमती शवीना मसीह द्वारा विद्यार्थियों की छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का कार्य किया गया ।समर कैंप का समापन समारोह 17 मई को मुख्य अतिथि डॉ. महेश जी जैन उप संचालक लोक शिक्षण की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ ,इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा समर कैम्प में किए हुए कार्यों की प्रदर्शनी एवं विभिन्न रोचक नृत्य की प्रस्तुतियां दी ।इस अवसर पर एपीसी श्री विनोद गुप्ता ,पिरामिल फाउंडेशन से सुश्री स्वाति मैडम ,श्री तन्मय सर ने डॉ महेश जैन सर के साथ प्रर्दशनी का अवलोकन किया और छात्राओं से विस्तार से चर्चा की ,सभी छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफ़ी पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए इस अवसर पर श्री जैन सर ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीयशिक्षा नीति 2020के तहत बच्चों में गतिविधि आधारित शिक्षण पर ज़ोर दिया गया है जिसके तहत ही इस समर कैम्प का आयोजन किया गया है उन्होंने विद्यार्थियों को इसमें और अधिक उत्साह के साथ हिस्सा लेने हेतु प्रोत्साहित किया और प्रदर्शनी में महनत करने वाले की सराहना की। अंत में संस्था प्राचार्य स्मिता मेशराम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ जितेंद्र पाल सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर शाला परिवार से राकेश राजोरिया, यशवंत भुआर्य संतोष सोनी, पंकज मौजूद रहे।

राज्य संग्रहालय में वर्चुअल म्यूजियम केंद्र का लोकार्पण और मैस्कॉट का अनावरण कल

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा 18 मई से राजधानी भोपाल स्थित राज्य संग्रहालय परिसर श्यामला हिल्स में सप्ताहव्यापी संग्रहालय मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से जनसामान्य को इतिहास और सांस्कृतिक धरोहरों से रूबरू कराने का अभिनव प्रयास किया गया है।

इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव महोदय द्वारा वर्चुअल म्यूज़ियम केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा। यह केंद्र आगंतुकों को एक अद्वितीय डिजिटल अनुभव प्रदान करेगा, जिसमें पहली बार वर्चुअल म्यूज़ियम यात्रा की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, इस समारोह में संचालनालय के अधिकृत मैस्कॉट का लोकार्पण भी किया जाएगा। आयोजन के मुख्य अतिथि शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव संस्कृति विभाग होंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत एक छायाचित्र प्रदर्शनी ''भारत की सौर परंपरा का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें भारत के सूर्य मंदिर एवं मूर्तियों के माध्यम से प्रस्तुत की जाएंगी। यह प्रदर्शनी प्रात: 10:30 बजे से सायं 5: 30 बजे तक निशुल्क आमजन के लिए खुली रहेगी। 'संग्रहालय मेला' में विशेष प्रदर्शनियों, शैक्षणिक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, बच्चों के लिए रचनात्मक कार्यशालाओं सहित विविध आयोजन होंगे, जो संग्रहालयों के प्रति जनसामान्य की रुचि और सहभागिता को सुदृढ़ करेंगे।

प्रदेश के अन्य जोनल कार्यालयों ग्वालियर, इंदौर एवं जबलपुर में भी इस दिवस को विशेष रूप से मनाया जाएगा। ग्वालियर में अतीत से भविष्य के सेतु हमारे संग्रहालय विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन मोती महल में किया जाएगा, जिसमें ख्यात विषय विशेषज्ञ विचार प्रस्तुत करेंगे। इंदौर में विंटेज इंदौर विषय पर प्रदर्शनी और संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। जबलपुर में कृषि संस्कृति में बलराम विषयक प्रदर्शनी तथा धरोहर पर आधारित व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। संचालनालय द्वारा आयोजित यह आयोजन श्रृंखला प्रदेशवासियों को हमारी समृद्ध विरासत से जोड़ने और संग्रहालयों के महत्व को रेखांकित करने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

नारायणा स्कूल ने ऑपरेशन सिंदूर की विजय को मनाने निकाली झंडा रैली

भोपाल । नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, जो केम्पफोर्ट पब्लिक स्कूल का संचालन करता है , के शिक्षकों ने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने व ऑपरेशन सिंदूर की विजय को मनाने हेतु झंडा रैली में दिखाई चमक। आज का दिन गर्व और देशभक्ति से भरा रहा, जब नारायणा स्कूल के समर्पित शिक्षकों ने झंडा रैली में भाग लेकर हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत साहस और बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की गौरवशाली सफलता का जश्न भी मनाया। उच्च ध्वजों के साथ और ऊँचे हौसलों के साथ, हमारे शिक्षकों ने एकजुटता में मार्च किया, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति, गर्व और जोश की भावना से भर दिया। उनका उत्साही योगदान न केवल हमारे राष्ट्रीय नायकों को नमन था, बल्कि विद्यार्थियों और सम्पूर्ण समुदाय के लिए साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी बना। इस कार्यक्रम की शोभा प्रधानाचार्या, श्रीमती रूना कुडेसिया, की उपस्थिति से बढ़ी और इसे श्री सलाम सर, डीजीएम, के मूल्यवान मार्गदर्शन में किया गया।

बाल अभिव्यक्ति शिविर 475 बच्चे अलग-अलग एक्टिविटी में ले रहे भाग

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बाल अभिव्यक्ति शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 475 बच्चे अलग-अलग एक्टिविटी में भाग लेकर लाभान्वित हो रहे हैं। शुक्रवार को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी, कपड़ा संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल ईसरानी ने पहुंचकर बच्चों का हौंसला बढ़ाया। राम बंसल ने कहा कि ऐसे शिविरों का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाना चाहिए जिससे विद्यार्थियों का व्यक्तित्व निखरता है तथा विद्यार्थी अपनी कला को अपनी आय का साधन भी बना सकते हैं एवं अपने शौक को पूरा कर सकते है। नरेश ज्ञानचंदानी ने कहा कि जिस तरह से यहां बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर ढेर सारी कलाओं को सीख रहे है।

मनुष्य से गलती हो जाए तो प्रायश्चित जरूर करना चाहिए: पं. जीवन तिवारी

नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर चल रहा सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का मूल पाठ

संत हिरदाराम नगर। नुक्कड वाली माता मंदिर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा मूल पाठ के दूसरे दिन कथा व्यास पंडित जीवन तिवारी ने शुकदेव जन्म, परीक्षित श्राप सहित कई मार्मिक वर्णन किए। जीवन तिवारी ने कहा कि मनुष्य से गलती हो जाना बड़ी बात नहीं। लेकिन ऐसा होने पर समय रहते सुधार और प्रायश्चित जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो गलती पाप की श्रेणी में आ जाती है। उन्होंने आगे पांडवों के जीवन में होने वाली श्रीकृष्ण की कृपा को बड़े ही सुंदर ढंग से दर्शाया। कहा कि परीक्षित कलियुग के प्रभाव के कारण ऋषि से श्रापित हो जाते हैं। उसी के पश्चाताप में वह शुकदेव के पास जाते हैं। भक्ति एक ऐसा उत्तम निवेश है, जो जीवन में परेशानियों का उत्तम समाधान देती है। साथ ही जीवन के बाद मोक्ष भी सुनिश्चित करती है। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि 15 मई से 21 मई तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से प्रभु इच्छा तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन जन कल्याण और देश की सुख, समृद्धि, सुख शांति के लिए किया जा रहा है।

गुफा मंदिर रोड पर सड़क निर्माण के बाद किनारे ढेर पड़ी मिट्टी को नहीं हटाया

संत हिरदाराम नगर। लालघाटी से मिलिट्री स्टेशन तक लोक निर्माण विभाग द्वारा करवाए गए सड़क निर्माण कार्य में ठेकेदार तथा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण जनता परेशान हो रही है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव ओम यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि ठेकेदार ने निर्माण एवं खुदाई के दौरान निकली मिट्टी को सड़क किनारे पर ही पटक दिया है जिससे वर्षा के दौरान मिट्टी पूरी सड़क पर फैल जाएगी। वर्तमान में वाहन चालकों और राहगीरों के लिए यह मिट्टी परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में नागरिकों द्वारा कई बार लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी इसकी शिकायतें दर्ज है लेकिन अभी तक सड़क किनारे से मिट्टी नहीं हटाई गई है। सड़क किनारे की मिट्टी पूरी सड़क पर फैलती जा रही है जिससे इस नये रोड की सार्थकता भी खत्म हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर एक सप्ताह के अंदर सड़क किनारे से मिट्टी नहीं हटाई गई तो वह संबंध में जन आंदोलन छोड़ेंगे।

इंडस वेली संधि को निरस्त करना भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि: कर्नल पारवानी

संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। भारत की लड़ाई किसी देश या देशवासियों के खिलाफ नहीं हैं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ है और भारत आतंकवाद को धरती से नष्ट करके रहेगा यह विचार रिटायर्ड कर्नल नारायण पारवानी ने संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज में आयोजित ऑपरेशन सिंदूर पर केन्द्रित विशेष कार्यक्रम में व्यक्त किए। विशेष वक्तव्य देते हुए उन्होनें छात्राओं से कहा कि इन्डस वेली संधि को निरस्त करना भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसे ऑपरेशन सिदूर का भाग ही मान सकते है। उन्होंने कहा कि साइकोलॉजीकल वार फेयर जरूरी होता है। कर्नल पारवानी ने क्रमानुसार घटना क्रम बताते हुए कहा कि किस तरह से सेना के अदम्य साहस, पंशक्रम, दूरदृष्टि, श्रेष्ठ रणनीति को अपनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा। उन्होंने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम प्रत्येक स्कूल व कॉलेज में होना चाहिए कि हर विद्यायर्थी को इस तरह के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय घटनाक्रम की पूरी जानकारी हो। कार्यक्रम में सिद्ध भाऊ ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आर्मी चाहती हैं कि सैनिक सदैव स्वस्थ रहें इसके लिए वह प्राकृतिक चिकित्सा को अपना रहे है इसलिए प्राकृतिक चिकित्सकों का भी दायित्व है कि वह अपने देश की सैनाओं का सम्मान करें हर एक में देश भक्ति का जज्बा होना चाहिए यदि व्यक्ति में साहस व विश्वास हो तो वह सफलता अवश्य प्राप्त कर सकता है, हमारे प्रधानमंत्री इसका सशाक्त उदाहरण है।

प्रियंका दीक्षित त्रिपाठी को मिली पीएचडी डिग्री

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग से मिंटो हाल में आयोजित द्वादश दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगू भाई पटेल, तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर परमार द्वारा प्रियंका दीक्षित त्रिपाठी को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। डिग्री मिलने पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

हिंदू उत्सव समिति के नवीन सदस्यों को स्मार्ट कार्ड आज से वितरित होंगे

भोपाल। श्री हिंदू उत्सव समिति के महामंत्री शरण खटीक ने बताया कि नवीन आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले सदस्यों के स्मार्ट कार्ड का वितरण 17 से 25 मई तक समिति के श्री राम मंदिर,गुरु बक्श की तलैया स्थित कार्यालय से सुबह 12 बजे से शाम 5 बजे के मध्य वितरित किये जायेंगे प्राप्त की समिति सकल हिन्दू, खटीक ने बताया कि नवीन सदस्यो को स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए सदस्यों को साथ में सदस्यता शुल्क कि पावती और आधार कार्ड अनिवार्य रूप से लाना होगा। गौरतलब है कि समिति की सदस्यता 8 वर्ष के बाद प्रारंभ की गई थी जिसमें लगभग 2200 से अधिक नवीनआजीवन सदस्य बनाये गए हैं, साथ ही समिति के जिन आजीवन सदस्यों ने अपने नवीन परिचय के लिए आवेदन किया था वे सदस्य भी अपने सदस्यता के स्मार्ट कार्ड प्राप्त कर सकेंगे।

शुभ चिंतन, नियमित योग अभ्यास, अच्छी नींद एवं प्राकृतिक चिकित्सा से व्यक्ति आजीवन स्वस्थ रहता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि दुनिया भर में आम लोगों में उच्च रक्तचाप यानी साइलेंट किलर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस अथवा विश्व हाइपरटेंशन दिवस मनाया जा रहा है। हाइपरटेंशन किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता हैं। योग गुरु अग्रवाल ने बताया उच्च रक्तचाप क्या है, इसे कैसे नियंत्रित किया जाता है? उच्च रक्तचाप और निम्न रक्तचाप, दो ऐसी दशायें हैं जो मन के विपरीत स्तरों के परिणाम हैं। इनका प्रभाव मस्तिष्क और नाड़ी मण्डल पर दिखाई पड़ता है। वातावरण और मानसिक तनाव जब सहनशक्ति की सीमा से बाहर हो जाते हैं, तब वे अति दाब या उच्च रक्तचाप पैदा करते हैं। दूसरे स्तर पर जब तनाव स्वीकृति की सीमा से कम होता है या दबा दिया जाता है, तब निम्न दाब या निम्न रक्तचाप होता है। अति तनाव की स्थिति का प्रभाव शरीर के कई हिस्सों में होता है। चिकित्सा शास्त्रीय पर्यवेक्षण के अनुसार इससे रक्तचाप बढ़ जाता है और पेप्टिक अल्सर भी हो सकता है अथवा कई दूसरे प्रकार के संकेत और लक्षण प्रकट हो सकते हैं। यह अति तनाव की स्थिति कुछ समय तक बनी रहे, तो अंततोगत्वा नाड़ी मण्डल तनाव को बर्दाश्त नहीं कर पाता और उसमें गिरावट आ जाती है। ऐसा विशेषकर तब होता है जब मन के तनावों को शरीर पर प्रकट न होने दिया जाये। इसे %नर्वस ब्रेक डाउन% या %डिप्रेशन% कहते हैं। आदमी इस मानसिक तनाव को सहन नहीं कर पाता और पागल हो जाता है। कुछ लोगों में यह गिरावट शरीर में प्रकट होती है, मन में नहीं। उनका रक्तचाप गिर जाता है और शरीर में कई समस्यायें उत्पन्न हो जाती हैं। निम्न तनाव और अति तनाव दोनों को परस्पर सम्बन्धित करके समझना चाहिये। खैर, यह किसी भी हालत में हो, प्रत्येक स्थिति के लिये योग अभ्यास उपलब्ध हैं। इनमें मुख्य रूप से प्राणायाम का अभ्यास किया जाता है। क्रियायोग में भी कुछ अभ्यास हैं जो इसमें सहायक होते हैं, परन्तु उन्हें सुयोग्य शिक्षक से ही सीखना चाहिये।

उच्च रक्तचाप के लिये एक सरल अभ्यास है। सहज ढंग से सीधे लेट जाओ या आराम कुर्सी पर बैठ जाओ और अपनी श्वास की सजगता का अभ्यास करो। बस, सहज श्वास का, जो अपने आप आती-जाती है, ख्याल करते जाओ। मन और शरीर में कोई तो सम्पर्क सूत्र होना चाहिये न। उच्च रक्तचाप कम करने का यही सिद्धांत है। हम सबको मालूम है कि हमारी श्वास अंदर बाहर प्रवाहित होती है, लेकिन कभी भी हम उसका ख्याल नहीं करते। जब इसके प्रति हम सचेत होते हैं तब क्या होता है ? जब हम मन और शरीर के बीच एक तारतम्यता, एक सम्पर्क सूत्र कायम करते हैं तो तनाव कम होता है। यह कमी यथार्थ में होती है। इसे प्रत्यक्ष देखने के लिये अभ्यास के आरम्भ और अंत में रक्तचाप नापकर रखना चाहिये।

शारदा दयाल श्रीवास्तव के व्यंग्य संग्रह ज्ञानगंगा में गधों का आचमन का लोकार्पण

भोपाल। शारदा दयाल श्रीवास्तव के व्यंग्य संग्रह ज्ञानगंगा में गधों का आचमन का लोकार्पण दुष्यंत संग्रहालय में डॉ. साधना बलबटे, की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त गृह सचिव, मध्य प्रदेश शासन ओम प्रकाश श्रीवास्तव, सारस्वत अतिथि सुरेश पटवा, संयुक्त सचिव दुष्यंत संग्रहालय और विशिष्ट अतिथि मंगत राम गुप्ता, गोकुल सोनी और विवेक रंजन श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर सारस्वत अतिथि सुरेश पटवा ने सर्वप्रथम शारदा दयाल श्रीवास्तव के लेखकीय व्यक्तित्व का परिचय देते हुए कहा कि शारदा दयाल ऊपर से शांत दिखते हैं लेकिन अंदर ज्वालामुखी छुपाए हैं। तभी इनके भीतर से विसंगतियों के विरुद्ध तीखी प्रतिक्रिया निकलती है। वही इनके व्यंग्य को धार प्रदान करती है। इस अवसर पर शारदा दयाल श्रीवास्तव ने संदर्भित व्यंग्य संग्रह की रचना प्रक्रिया के अनुभव साझा करते हुए मेरा देश मेरा भेष व्यंग्य का पाठ अनोखे अंदाज़ में किया। उन्होंने पुस्तक के नामकारण के बारे में बताया कि मुझमें और गधे में कुछ लाक्षणिक समानताएं हैं और मैं भी ज्ञान गंगा में डुपकी लगाता रहता हूँ इसलिए इस पुस्तक का नाम ज्ञानगंगा में गधों का आचमन तय पाया गया। डॉ. साधना बलबटे ने कहा की इस व्यंग्य संग्रह में सामयिक नहीं अपितु वैश्विक परिस्थितियों पर शाश्वत व्यंग्य शामिल हैं। आजकल व्यंग्य में बोथरापन भटकाव अधिक नज़र आता है।

मुख्यमंत्री हुए तिरंगा यात्रा में शामिल पूरा इंदौर हुआ देश भक्ति से ओतप्रोत

भारतीय सेना ने दिखायी ऐतिहासिक शौर्य, पराक्रम और वीरता: डॉ. यादव

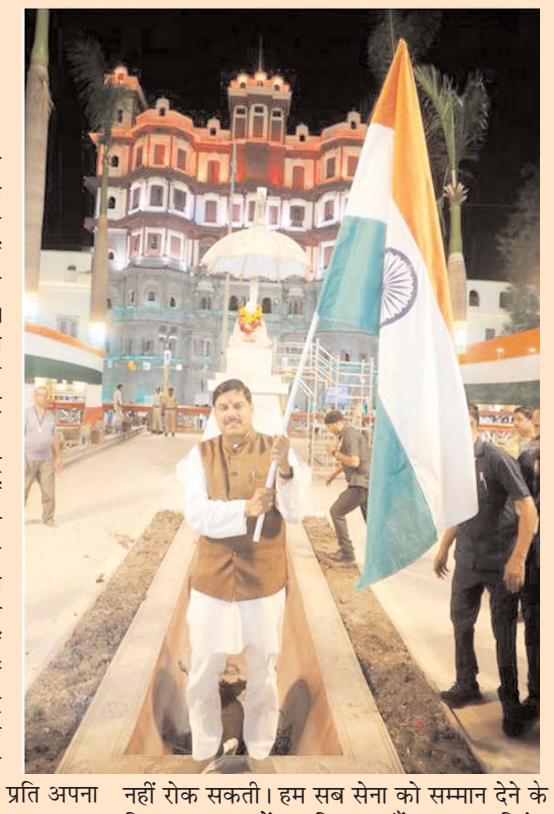

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर में अपने शौर्य और पराक्रम से वीरता की अप्रतिम गाथा रचने वाले भारत के वीर सैनिकों के सम्मान में अपार जोश और उल्लास के साथ निकली तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यह तिरंगा यात्रा बड़ा गणपति से प्रारंभ हुई और गोराकुण्ड, खजुरी बाजार होते हुए ऐतिहासिक महत्व के राजबाड़ा पर सम्पन्न हुई। पूरी यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रथ में सवार थे और हर तरफ हाथ हिलाकर उन्होंने नागरिकों का अभिवादन किया। इस यात्रा के माध्यम से पूरा शहर राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया और पूरा आसमान भारत माता की जय तथा वंदेमातरम् के उदघोष से गुंजायमान रहा। यात्रा में बच्चों से लेकर वृद्धों तक हर आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी रही। यात्रा में हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग के लोग इस यात्रा में शामिल हुये और उन्होंने अपने राष्ट्रप्रेम की झलक बिखरते हुए सेना के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया।

यात्रा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी तथा सुश्री कविता पाटीदार, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, विधायकगण श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री मनोज पटेल, श्री सुमित मिश्रा तथा श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ थे। यात्रा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब नए दौर का शक्तिशाली भारत दिखाई दे रहा है। भारत के नए दौर में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी तीनों सेना ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और वीरता से दुश्मनों को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने दुश्मन को अल्प समय में ऐतिहासिक जवाब दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पूरी दुनिया ने हमारी ताकत, एकजुटता और अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग देखा है। आतंकवादियों के मंसूबों को भी नाकाम किया गया है। कोई भी ताकत अब भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से सेना के प्रति सम्मान व्यक्त किया जा रहा है। यह यात्रा जिला से लेकर पंचायत स्तर तक लगातार जारी रहेगी। उन्होंने इंदौर की तिरंगा यात्रा को ऐतिहासिक बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा के प्रारंभ में बड़ा गणपति पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने तिरंगा यात्रा के समापन के पश्चात मां देवी अहिल्या बाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती मनाई जा रही है। यह संयोग है कि 20 मई को तिथि के अनुसार उनकी जयंती है और विवाह की वर्षगांठ भी है। साथ ही उनके ससुर मल्हारराव होलकर की पुण्यतिथि भी है। इसको देखते हुए 20 मई को इंदौर के राजवाड़ा में केबिनेट की बैठक आयोजित की जा रही है। इसी दिन से पूरे प्रदेश में 10 दिनी उत्सव का आयोजन भी शुरू किया जा रहा है। इसका समापन भोपाल में भव्य रूप से 31 मई को किया जाएगा। प्रदेश में 10 दिनी उत्सव के तहत जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विवादित बयानों के बाद भाजपा का बड़ा फैसला

मप्र में मंत्री-विधायकों को मिलेगा बोलने का प्रशिक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार इस समय अपने ही मंत्रियों के विवादित बयानों के कारण घिर गई है। खासकर मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए अभद्र टिप्पणी ने पार्टी को राजनीतिक संकट में डाल दिया है। वहीं, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने भी सेना को लेकर ऐसा बयान दिया जिससे सियासी पारा चढ़ गया है। इन घटनाओं ने बीजेपी के सामने एक चुनौती पेश की है। ऐसे में पार्टी ने जून महीने में अपने सभी मंत्री और विधायकों को सार्वजनिक मंचों पर बोलने का प्रशिक्षण देने का बड़ा फैसला किया है।

बीजेपी के सूत्रों के अनुसार जून माह में प्रदेश के सभी 164 विधायकों को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह ट्रेनिंग भोपाल से बाहर नर्मदा किनारे आयोजित की जा सकती है। यहां नेताओं को सिखाया जाएगा कि किन विषयों पर कैसे बात करें और किन विषयों से बचना चाहिए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पार्टी की सार्वजनिक छवि को सुधारना और भविष्य में विवादों से बचना है।

बीजेपी हाईकमान ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नेताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर विशेष सतर्कता से बोलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी मंत्रियों को संभलकर बोलने का सख्त संदेश दिया गया है ताकि किसी भी तरह का विवाद पैदा न हो। जबलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने पाकिस्तान में आतंकियों को खत्म करने के लिए पूरे देश और सेना का प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक होने का बयान दिया। हालांकि उनका यह बयान सेना के प्रति सम्मान की बजाय अपमानजनक माना गया। सोशल मीडिया तथा राजनीतिक मंचों पर उनकी जमकर आलोचना हो रही है। मोहन यादव मंत्रिमंडल में शामिल कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने इंदौर के मानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बता दिया था। लेकिन, शाह के इस बयान ने पूरे प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी। उनकी इस टिप्पणी को सेना और जनता के अपमान के रूप में लिया गया।

भाजपा के लिए यह स्पष्ट है कि भविष्य में ऐसे विवादों से बचने के लिए नेताओं की संवाद शैली को नियंत्रित करना बेहद आवश्यक है। इसलिए बोलने का प्रशिक्षण पार्टी की राजनीतिक छवि सुधारने और नेताओं को बेहतर सार्वजनिक वक्ता बनाने के लिए जरूरी कदम माना जा रहा है।

प्रशिक्षण में क्या होगा

सार्वजनिक मंच पर संभलकर बोलना, संवेदनशील विषयों पर उचित भाषा का चयन, विवादित और असंवेदनशील टिप्पणियों से बचना, मीडिया के सामने प्रभावी संवाद कला।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य समय सीमा में करें पूर्ण: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

सागर के बंडा में तालाब गहरीकरण एवं मरम्मत कार्य और संजीवनी क्लीनिक का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर जल स्रोतों को पीने योग्य बनाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में शुरू हुए इस जल गंगा संवर्धन अभियान से संपूर्ण बुंदेलखंड सहित मध्यप्रदेश में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन का कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित कर उनका संरक्षण करने का कार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से सभी जल स्रोत पुनर्जीवित होंगे और हमें पर्याप्त पेयजल मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जो भी कार्य किए जा रहे हैं उनकी पूरी योजना तैयार करें और उसके बाद गुणवत्ता एवं समय-सीमा में पूर्ण करें ताकि कार्य शीघ्र जनोपयोगी बनें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सागर जिले के बण्डा में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बंडा तालाब के गहरीकरण एवं मरम्मत कार्य का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि जिस प्रकार बैंक खाते में से लगातार पैसे निकालने से बैंक खाता खाली हो जाता है उसी प्रकार अपनी जमीन से लगातार पानी लेने से जमीन में स्थित पानी का खाता भी खाली हो जाता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि बण्डा एवं शाहगढ़ की पेयजल की समस्या निराकरण के लिए सरकार के द्वारा लगातार कार्य किये जा रहे हैं और शीघ्र ही सुविधाएं मुहैया कराई जायेंगी। विधायक बण्डा श्री वीरेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि बंडा का एक-एक गांव पानी की समस्या से दूर हो। इस अभियान के अंतर्गत पुराने नदी, नालों, बावड़ियों, तालाबों को पुनर्जीवित भी किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक बंडा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का आचरण, व्यवहार, छोटे अस्पताल को भी बड़ा बना देता है। डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं इस स्वरूप को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि यह संजीवनी क्लीनिक प्राथमिक स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने संजीवनी क्लिनिक बंडा का लोकार्पण किया। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ नीना गिडियन, सीएमएचओ डॉ ममता तिमोरी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और चिकित्सक उपस्थित थे।

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर के विजय की खुशी और देश की सेना के सम्मान में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

बागवानी क्षेत्र को सशक्त करने और किसानों की आय बढ़ाने पर हुआ मंथन

भोपाल। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, भारत सरकार के समन्वय से मध्यप्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा हार्टीकल्चर क्लस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय जागरूकता कार्यक्रम सह हितधारक बैठक का आयोजन भोपाल स्थित मध्यप्रदेश उद्योग विकास निगम, पंचानन भवन में किया गया। आयुक्त, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण श्रीमती प्रीति मैथिल ने कहा कि बागवानी क्षेत्र में समग्र विकास, अधोसंरचना विस्तार, बाजार सुविधा, मूल्य संवर्धन एवं किसानों की आमदनी में वृद्धि जैसे उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। आयुक्त श्रीमती मैथिल ने प्रदेश से इच्छुक हितधारकों को योजना के अंतर्गत कॉन्सेप्ट नोट एनएचबी पोर्टल पर प्रस्तुत करने के लिये प्रोत्साहित किया और अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की। सभी संबंधित एजेंसियाँ एवं निजी संस्थान इस कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग करें जिससे बागवानी क्षेत्र को एक नई दिशा और किसानों को बेहतर लाभ मिल सके। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, भारत सरकार के उप संचालक श्री रविन्द्र दांगी ने सीडीपी योजना की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि योजना के तहत हाई वैल्यू मल्टी कमोडिटी और पेरी अर्बन क्लस्टर्स विकसित किए जाएंगे। इसके लिए एक चिन्हित फोकस फसल होना आवश्यक है और उस फसल का वार्षिक फार्म गेट मूल्य कम से कम 100 करोड़ रुपये होना चाहिए। योजना में वित्तीय सहायता की अधिकतम सीमा फार्म गेट मूल्य के 25 प्रतिशत तक निर्धारित की गई है।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस आज

अख़बार वितरकों के लिए पहली बार विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

इन 6 जगहों पर शिविर

1. 12 दफ्तर जवाहर चौक ,
2. सर्वधर्म बी सेक्टर कोलार,
3. दैनिक भास्कर कार्यालय,
4. नादरा बस स्टैंड बिल्डिंग,
5. स्वामी शांति प्रकाश धर्मशाला बैरागढ़।
6. गणेश गैलेक्सी अयोध्या बायपास।

भोपाल। अल सुबह घरों में अखबार पहुंचाकर हमारी दिनचर्या के अहम हिस्से में शामिल रहने वाले अखबार वितरकों के लिए विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर आज विशेष स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह , हीमोग्लोबिन सहित विभिन्न जांच एवं उपचार निशुल्क दिया जाएगा । साथ भी आभा आईडी एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे। ये पहली बार है कि अखबार वितरकों के लिए स्पेशल कैंप लगाए जा रहे हैं। शिविरों में दोपहर 12 से शाम 5ः00 बजे तक सेवाएं दी जाएंगी। शिविर में परिजन भी अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवा सकते हैं।

17 मई को ही दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक नगर निगम कर्मियों और शाम 5 बजे से सिटी बस चालकों और बस कंडक्टर्स के लिए आई एस बी टी परिसर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित होगा। सिटी बसों की डिपो में वापसी शाम के समय होती है, इसलिए बस चालकों और कंडक्टर्स की सुविधा को देखते हुए देर शाम तक शिविर चलेंगे। इस अवसर पर जिले की सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच, परामर्श एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया है। इस वर्ष यह दिवस अपने रक्तचाप की जांच करवाएं, इसे नियंत्रित करें, लंबा जीवन जियें की थीम पर मनाया जा रहा है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में 17 मई से 16 जून तक जागरूकता माह आयोजित होगा। इस दौरान जिले में निरंतर विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। शिविर आयोजन के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि रोज सुबह हमारे घर आने वाले अखबार वितरक हमारी दिनचर्या का अहम हिस्सा है। इसके बावजूद हम लोगों में से अधिकांश ने इनको सम्भवत: देखा भी ना हो। इसी तरह सिटी बसेस से हमें हमारी मंजिल तक पहुंचाने वाले ड्राइवर्स और कंडक्टर्स भी हमारे दैनिक जीवन से जुड़े हुए हैं। इन लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण, नियमित फॉलोअप एवं उपचार के उद्देश्य से विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में ये शिविर लगाये जा रहे हैं।

राधारमण नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर राधारमण इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग, भोपाल (म.प्र.) द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन संस्थान की प्राचार्य डॉ. प्रो. वेनिस एम. डेविड के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रातीबड़ में एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक और स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर रक्तचाप को सही तरीके से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबा जीवन जिएं विषय पर प्रस्तुति दी गई, जिसका उद्देश्य उच्च रक्तचाप की रोकथाम, शीघ्र पहचान और उपचार के प्रति आमजन में जागरूकता लाना था। इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और रोगियों की उच्च रक्तचाप की जांच भी की। साथ ही उन्होंने इसके कारण, लक्षण, निवारक उपाय और उपचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन प्रो. नेहा भारती, प्रो. अंकिता एस. एंड्रयूज, प्रो. अनूप सोलंकी, सुश्री श्वेता राय (सहायक प्रोफेसर), सुश्री श्रद्धा यादव, सुश्री प्रीति एम, सुश्री वेरोनिका, सुश्री सोनाक्षी एवं सुश्री महिमा (नर्सिंग ट्यूटर) द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार (बीएमओ) एवं डॉ. अनुकृति सिंह (चिकित्सा अधिकारी), पीएचसी रातीबड़ भी उपस्थित रहे।

भोपाल में जल्द तैयार होगा विश्व स्तरीय खेलों का नया मंच

भोपाल। खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को भोपाल स्थित बरखेड़ा नाथू में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मापदण्ड के अनुसार निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और शेष कार्यों को तेजी व गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स प्रदेश के युवाओं को खेल के क्षेत्र में वैश्विक मंच तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खेल संचालक राकेश कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, कांट्रेक्टर, इंजीनियर्स, प्रोजेक्ट मैनेजर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने एथलेटिक्स स्टेडियम, लाइटिंग सिस्टम, प्रैक्टिस हॉकी फील्ड, वार्म-अप ट्रैक, मल्टीलेवल पार्किंग, फुटबॉल फील्ड, वॉटर एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य निर्माण कार्यों का जायज़ा लिया। उन्होंने प्रोजेक्ट की कंस्ट्रक्शन डिटेल्स का प्रस्तुतीकरण भी देखा और तकनीकी पहलुओं पर अधिकारियों से चर्चा की। मंत्री सारंग ने कहा कि इस सर्वसुविधायुक्त स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के तैयार होने से मध्यप्रदेश में खेलों के लिए एक नया आयाम स्थापित होगा। यहाँ के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण से लेकर प्रतियोगिताओं तक की सभी सुविधाएं एक ही परिसर में मिलेंगी, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मजबूती मिलेगी।

डीजीपी कैलाश मकवाना ने मप्र के आईपीएस प्रोबेशनर्स से संवाद कर फील्ड ट्रेनिंग में उनके अनुभवों पर चर्चा की

भोपाल। डीजीपी कैलाश मकवाना ने आज मप्र के आईपीएस प्रोबेशनर्स से संवाद कर फील्ड ट्रेनिंग में उनके अनुभवों पर चर्चा की। आईपीएस प्रोबेशनर अब द्वितीय चरण के प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद रिपोर्ट करेंगे। इससे पहले आज पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय भोपाल में समस्त विशेष पुलिस महानिदेशक एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की बैठक ली। बैठक में डीजीपी ने पुलिस विभाग की कार्यक्षमता बढ़ाने एवं भविष्य के लिए बेहतर पुलिसिंग के संबंध में चर्चा एवं विचार विमर्श किया।

सुरक्षा चिंताओं के बीच नई रणनीति

डॉक्टर, ब्रह्मदीप अलूने

भारत की संप्रभुता,सुरक्षा और संसाधनों की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू नार्मल रणनीति अपनाने की घोषणा की है। भारत की भू राजनैतिक चुनौतियों और नई परिस्थितियों में संतुलन स्थापित करने वाली इन नीति के केंद्र में पाकिस्तान है। जब देश वैश्विक मंच पर अपने हितों की रक्षा,सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संतुलित रखने का प्रयास करते हैं तो इसके पीछे एक ठोस रणनीति काम करती है। वहीं भारत की सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए पाकिस्तान के साथ न्यू नार्मल रणनीति पर आगे बढ़ने के संकेत भारत की परम्परागत कूटनीति से अलग हटकर बेहद यथार्थवादी है।

भारत-पाकिस्तान संबंधों का भविष्य जटिल और बहुआयामी चुनौतियों से भरा हुआ है जिसमें भू-राजनीतिक हित,आतंकवाद, कश्मीर और द्विराष्ट्रवाद शामिल है। भारतीय विदेश नीति के लिए सबसे विकट चुनौती पाकिस्तान के साथ उसके संबंधों की रही है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा संकट भारत का धर्म निरपेक्ष राज्य होना है और भारत में करोड़ों मुसलमानों का सामान्य जीवन पाकिस्तान की स्थापना को औचित्यहीन बनाता है। इन सबके बीच आंतरिक अशांति और राजनीतिक अस्थिरता से जूझते पाकिस्तान में सेना का सर्वसत्तावाद हावी रहा है। यह एक ऐसी राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को दर्शाता है,जिसमें सेना या सैन्य नेतृत्व को अत्यधिक या पूर्ण राजनीतिक शक्ति प्राप्त हो जाती है और वह देश के शासन,नीतियों व निर्णयों को नियंत्रित करने लगती है।

बलूचिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान की सीमा पर स्थित ख़ैबर पख़्तूनख़्वा में गहरी अशांति से पाकिस्तान सेना बेहाल है और उसकी जन स्वीकार्यता को गहरा झटका लगा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने 17 अप्रैल 2025 को ओवरसीज पाकिस्तानियों के एक सम्मेलन में द्वि-राष्ट्रवाद सिद्धांत को पुनः उभारते हुए पाकिस्तान की स्थापना का वैचारिक आधार स्पष्ट किया और भारत को चुनौती दी थी। जनरल मुनीर की यह टिप्पणी पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति और सैन्य प्रतिष्ठा को मजबूत करने के लिए और पाकिस्तान की आंतरिक और बाहरी राजनीति में एक मजबूत इस्लामी पहचान स्थापित करने के प्रयास के रूप में देखी गई। पहलगाम में हुए आतंकी हमलें में धर्म के आधार पर गोली मारने की घटना में यह स्पष्ट संदेश था की जनरल मुनीर,जिया उल हक़ के नक्शें कदम पर चलकर भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को खतरें में डालना चाहते है। भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमलें का जवाब देते हुए पाकिस्तान के अंदर स्थित कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

अब भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर शांति है लेकिन भारत राजनयिक सम्बन्ध पाकिस्तान के साथ पूरी तरह खत्म करने की ओर बढ़ रहा है। दुश्मन देश से संबंधों की रणनीति संतुलन,सतर्कता और दूरदर्शिता की मांग करती है। न तो अत्यधिक नरमी सही है,न ही हर समय टकराव। सबसे बुद्धिमान नीति वही है जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए संवाद और प्रतिरोध,दोनों के लिए तैयार रहे। हालांकि भारत की संवाद की नीति को पाकिस्तान ने हमेशा कमजोरी ही समझा। करीब एक दशक से भारत ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता,तब तक कोई सार्थक संवाद संभव नहीं है। यह नीति प्राकृतिक न्याय,आत्मसम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा पर आधारित है।

भारत की असल चुनौती पाकिस्तान में राजनीतिक सत्ता का कमजोर होना है। भारत का संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाएं मज़बूत हैं,जबकि पाकिस्तान में ऐसा बिल्कुल नहीं है। भारतीय सेना राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करती और अपनी भूमिका को सीमित रखती है,वहीं पाकिस्तान की सेना देश की राजनीति को नियंत्रित करती है। भारत और पाकिस्तान के बीच 1947 के विभाजन के बाद से संबंधों में तनाव बना रहा है। पाकिस्तान ने कई बार प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से भारत की सुरक्षा,शांति और अखंडता को चुनौती दी है। ये चुनौतियां केवल सैन्य नहीं हैं,बल्कि राजनीतिक,कूटनीतिक,आर्थिक और वैचारिक स्तर पर भी हैं। पाकिस्तान की भूमि का उपयोग भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को प्रश्रय के तौर पर किया जाता है। पाकिस्तान द्वारा बार-बार सीमा उल्लंघन और सीज़फायर तोड़ना तथा आम नागरिकों और सैनिकों पर गोलीबारी और घुसपैठ की कोशिशें लगातार होती रहती हैं। पाकिस्तान से फेक करेंसी और नशीली दवाओं की तस्करी के ज़रिए भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे को कमजोर करने की साजिशें लगातार की जाती रही है। पाकिस्तान न्यूक्लियर ब्लैकमेल की नीति पर चलकर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी देता है।

अब जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने न्यू नार्मल रणनीति पर आगे बढ़ने के संकेत दिए है तो भारत के संभावित कूटनीतिक और रणनीतिक कदम तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियां एक दूसरे के सामने होगी। पाकिस्तान के साथ राजनीतिक और कूटनीतिक संबंध समाप्त करने का अर्थ बेहद साफ है कि पाक में दूतावास और राजनयिक कार्यालयों को बंद करना,राजदूतों और कर्मचारियों की वापसी,सरकारों के बीच कोई भी आधिकारिक बातचीत या संपर्क समाप्त,द्विपक्षीय वार्ताएं,शिखर सम्मेलन,संवाद सब स्थगित या रद्द हो सकते हैं,व्यापार,रक्षा,,शिक्षा,विज्ञान जैसे सभी द्विपक्षीय समझौते स्थगित या निरस्त किए जा सकते हैं तथा वीजा सेवाएं और लोगों की आवाजाही पर भी रोक लग सकती है। इसमें अधिकांश कदम वर्तमान में प्रभाव में है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए राजनयिक संबंधों को पूरी तरह खत्म करने की ओर कदम बढ़ाएं,वहीं पाकिस्तान के साथ 1960 के सिंधु जल समझौते को तुरंत प्रभाव से निलंबित रखने का फ़ैसला किया है। सिंधु जल समझौता छह नदियों ब्यास,रावी,सतलुज,सिंधु,चिनाब और झेलम के पानी के इस्तेमाल को लेकर नियम तय किए गए थे। इस समझौते के तहत पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों चिनाब, झेलम और सिंधु से संपूर्ण जल प्राप्त होता है,वहीं भारत को सतलुज,व्यास और रावी नदियों का जल प्राप्त होता है। पाकिस्तान के सबसे सशक्त सूबे पंजाब और सिंध प्रांत पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से चिनाब, झेलम और सिंधु के पानी पर निर्भर है। सिंधु जल प्रवाह का सम्बन्ध चार देशों चीन,भारत,पाकिस्तान और अफगानिस्तान से है। पाकिस्तान के नियंत्रण वाली नदियों का प्रवाह पहले भारत से होकर आता है। संधि के अनुसार भारत को उनका उपयोग सिंचाई, परिवहन और बिजली उत्पादन करने की अनुमति है। अर्थात् जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण करने की अनुमति देता है। भारत ने इस शर्त का फायदा लेते हुए कई नदियों और सहायक नदियों पर जल विद्युत् परियोजनाओं की शुरुआत कर बेहद रणनीतिक कदम उठायें है। भारत पाक के बीच संघर्ष में चीन ने पाकिस्तान की संप्रभुता की रक्षा के पक्ष में खड़े रहने की बात कहीं थी और अब सिंधु जल समझौते पर उसका रुख देखना दिलचस्प होगा। इन नदियों का आरम्भ चीन प्रशासित तिब्बत से होता है और यह स्थिति भारत के रणनीतिक कदमों को प्रभावित कर सकती है। भारत ने साफ कहा है की भारत पीओके को पाकिस्तान से वापस लेने पर बात करेगा,वहीं चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भारत की संप्रभुता को चुनौती देता है क्योंकि यह पाक-अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है।

पाकिस्तान सेना ने इस देश के अस्तित्व में आने के बाद आधे से ज्यादा समय से तानाशाही के जरिये सीधा राज किया है और वह किसी भी कीमत पर देश की सत्ता को अपने शिकंजे में रखती है। इन सबके बीच पाकिस्तान की सेना अब अमेरिका से कहीं ज्यादा चीन के करीब आ गयी है। इसके कई आर्थिक और राजनीतिक कारण है। चीन और पाकिस्तान दोनों से भारत के सीमा विवाद है और युद्द भी हो चूके है। पाकिस्तान भारत से सीधे युद्द में कई बार पराजित हो चूका है,इसलिए उसने चीन से कूटनीतिक,आर्थिक और सैन्य सम्बन्ध स्थापित करके भारत की चुनौतियों को बढ़ाया है। पाकिस्तान की जमीन, संस्कृति, पर्यटन ,कृषि, संप्रभुता, संसाधन, बंदरगाह, अर्थव्यवस्था,स्टॉक एक्सचेंज,समुद्र और आसमान पर चीन का कब्जा बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तान चीनी मॉडल पर आधारित ऐसा देश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है जिसकी हर जरूरत चीन से पूरी होगी और देश पर चीन का पूरा नियंत्रण भी होगा। इस्लामाबाद में 50 हजार से ज्यादा चीनी रह रहे है,पाकिस्तान के स्कूलों में मंदारिन को अनिवार्य कर दिया गया है। बैंकों में युआन के लेन देन को आसान बनाया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग,मेट्रो और अन्य यातायात के प्रबंधन की जिम्मेदारियां चीनी कम्पनियां उठा रही है। विकास के मास्टर प्लान के अंतर्गत पाकिस्तान की हजारों एकड़ जमीन चीन को सौंप दी गई है जिस पर वह फसल उगाएगा। चीन सीपीईसी परियोजना के जरिए निर्माण के साथ पाक के ऊर्जा संकट को दूर करने का दावा भी कर रहा है,इसके लिए चीन पूरे पाक में कई परियोजनाएं संचालित कर रहा है। चीन सेंट्रल एशिया,दक्षिणी-पूर्वी एशिया और मध्य-पूर्व में अपना दबदबा बढ़ाना चाहता है। पाकिस्तान इसका महत्वपूर्ण अंग है।

अरबों डॉलर दांव पर लगाने के बाद पाकिस्तान को सुरक्षित रखने की चीनी मजबूरियां है। चीन के साथ गठजोड़ करके पाकिस्तान भारत के सुरक्षा तंत्र को भविष्य में भी चुनौती दे सकता है,इसमें चीन के भी साझा हित हो सकते है। भारत की भू-राजनीतिक स्थिति उसे एशिया के केंद्र में एक रणनीतिक शक्ति बनाती है। उत्तर में हिमालय,दक्षिण में हिंद महासागर,पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान, और पूर्व में चीन,बांग्लादेश व म्यांमार है। यह स्थिति भारत को अनेक अवसरों और चुनौतियों दोनों से जोड़ती है। चीन पाकिस्तान गठजोड़ को ध्यान में रखते हुए भारत को ऐसी कूटनीतिक और रणनीतिक नीतियां अपनानी होगी जो राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ अन्य हितों की पूर्ति भी कर सके। भारत को अमेरिका,रूस,जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध,रक्षा, तकनीक,ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग तथा रणनीतिक साझेदारियां बढ़ाना होगी। एक्ट ईस्ट नीति पर काम करते हुए दक्षिण-पूर्व एशिया और पूर्वी एशिया में भारत की भूमिका को बढ़ाते हुए हिन्द प्रशांत में चीन के प्रभाव को संतुलित करने वाली ताकतों के साथ अग्रणी भूमिका निभाना होगा। वहीं पड़ोसी देशों बांग्लादेश,भूटान,नेपाल,श्रीलंका,अफगानिस्तान और मालदीव से राजनीतिक,सांस्कृतिक और आर्थिक सम्बन्ध मजबूत रखने होंगे। न्यू नार्मल रणनीति भारत की आक्रामक कूटनीति और सैन्य रणनीति का प्रतिबिम्ब है। पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों को नष्टकरके भारत ने अपने मजबूत इरादों को दिखाया है लेकिन दीर्घकालीन स्तर पर यह नीति तभी असर दिखा पायेगी जब भारत पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और चीनी साम्राज्यवाद के खिलाफ,कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर व्यापक वैश्विक सहयोग तथा विश्वसनीय सैन्य और आर्थिक भागीदारी बढ़ाने में सफल हो पायेगा।

नजरिया

मंत्री की अनर्गल बयानबाजी अक्षम्य

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना यह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वतः-संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतीपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी को अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांचवां हिस्सा मौजूद है। लेकिन इतना तो तय है कि चाहे उनका राजनीतिक प्रभाव कितना भी क्यों न हो, उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ ही महिलाओं का अपमान करने की छूट नहीं मिल जाती। पार्टी को राष्ट्र को आश्वस्त करने के लिये अनुकरणीय कार्रवाई करनी ही चाहिए। तभी समाज में यह साफ संदेश जाएगा कि हम आतंकवाद और सांप्रदायिक विभाजन के खिलाफ मजबूती से एकजुट हैं और नफरत फैलाने वालों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निश्चय ही इस मामले में अदालत की सख्त टिप्पणियां न केवल आरोपी मंत्री बल्कि उन सभी नेताओं के लिये सबक हैं जो लगातार अनर्गल प्रलाप करते रहते हैं।

ये हिन्दी है प्यारे... बिन्दी भी संभल के... वरना! वरना... विजय शाह और जगदीश देवड़ा हो जाओगे!

रविकांत दीक्षित

हिन्दी! यानी भारत की आत्मा। संस्कृति की पहचान। भावों की अभिव्यक्ति। सब कुछ समाया है हिन्दी में। आज हिन्दी दिवस तो नहीं है, पर वजह बड़ी खास है। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के बयानों ने हिन्दी को फिर चर्चा में ला दिया है। विजय शाह ने भारतीय सेना की वीरांगना कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, उन्हीं लोगों को उन्हीं की बहन भेजकर उनकी...।

बाद में उन्होंने सफाई में कहा कि सोफिया उनकी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। आप एक लाइन फिर ऊपर जाइए। विजय शाह ने उन्हीं की बहन के स्थान पर कहा होता कि हमारी बहन भेजकर उनकी... तो बहुत संभव है कि यह बखेड़ा खड़ा नहीं होता।

अब बात देवड़ा की... उन्होंने कहा, पूरा देश, देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं। उनकी भावना क्या थी, ये देवड़ा ही जानें। बाद में उन्होंने कहा कि बयान का अर्थ गलत निकाला गया। अब इसके मूल में भी वही है कि देवड़ा ने कहा होता कि पूरा देश सेना के आगे नतमस्तक है... तो बात कुछ और होती।

यहां गौर करने लायक बात यही है कि गलत वाक्य विन्यास, बिना पूर्ण विराम के जो बयान दिए, वे क्या माफी लायक हैं...ये जनता खुद तय करे? हम यहां किसी की पैरवी या तरफदारी नहीं कर रहे। हमारी सेना ने जो किया है, उसके आगे हम नतमस्तक थे, नतमस्तक हैं और सदैव नतमस्तक रहेंगे।

फिर मुद्दे पर लौटे तो दोनों भाजपा नेताओं के बयानों ने भले राजनीतिक विवाद को जन्म दिया, पर इनके मूल में साझा तत्व हिन्दी ही है। दोनों ने बाद में सफाई दी कि उनकी मंशा गलत नहीं थी। अब यहां सवाल है कि गलत शब्दों का चयन और सही वाक्य न बोलने की भूल ने उनके बयानों को गलत संदर्भ में पेश कर दिया। मतलब... अपनी भाषा की उन्नति के बिना समाज की तरक्की संभव नहीं और अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को मिटाना असंभव है।

शाह और देवड़ा तो उदाहरण भर हैं। इस देश के नेताओं को समझना होगा कि हिन्दी भारत की आत्मा है। यह संवाद का माध्यम भर नहीं... यह संस्कृति, इतिहास और भावनाओं की वाहक है। भारत जैसे विविधताओं वाले देश में, जहां सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं, इनमें हिन्दी ऐसी कड़ी है, जो हमें एकसूत्र में पिरोती है। यह उत्तर भारत की प्रमुख भाषा होने के साथ दक्षिण, पूरब और पश्चिम में भी छाप छोड़ती है। फिल्में, साहित्य की किताबें और रोजमर्रा की बातचीत... सब तो हिन्दी में होता है। अंग्रेजियत झाड़ने वाले भी सोचते तो हिन्दी में ही हैं।

आंकड़े कहते हैं, विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा के रूप में करीब 60 करोड़ लोग हिन्दी को मातृभाषा या दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। यह भारत के संविधान में राजभाषा का दर्जा रखती है और मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम जैसे देशों में भी जीवंत है। हिन्दी का असल महत्व इसके भावनात्मक और सांस्कृतिक मूल्य में है। जब आप हिन्दी में चाय पियोगे...पूछते हैं तो उसमें जो अपनापन है, वह वुड यू लाइक सम टी...में कहां? हिन्दी में हर शब्द, हर वाक्य और हर मुहावरा इतना कुछ कह जाता है कि दूसरी भाषाओं को कई शब्द खर्च करने पड़ते हैं।

ऐसे ही बिन्दी और बिंदी-इसमें एक गणितीय बिंदु है और दूसरी सौंदर्य का प्रतीक। ऐसे ही डंडा (।) पूर्ण विराम का प्रतीक है, जो वाक्य को पूरा करता है। गलत जगह डंडा लग जाए या भूल जाए तो वाक्य का अर्थ भटक सकता है। जैसे खाना खा लिया और खाना खा लिया? में डंडा और प्रश्नवाचक चिह्न का फर्क पूरा मूड बदल देता है।

विजय शाह और जगदीश देवड़ा के बयानों में कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है। हमारा मकसद उन्हें जमानत देना कतई नहीं है। हां, ऐसा जरूर लगता है कि शाह के बयान में शब्दों का गलत चयन और संदर्भ ने उनकी बात को आपत्तिजनक बना दिया। हालांकि, वे पहले भी ऐसे बयान देते रहे हैं। अब हाल ही में उनके शब्दों ने कर्नल सोफिया कुरैशी की वीरता और भारतीय सेना की गरिमा पर सवाल उठाए, जिसके लिए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ स्वद्धक्रदर्ज करने का आदेश दिया। दूसरी ओर, देवड़ा के बयान में नतमस्तक जैसे शब्द का प्रयोग और उसका संदर्भ अलग आया। यदि इन बयानों में शब्दों पर बिन्दी और डंडे की तरह ध्यान दिया जाता तो शायद विवाद टल सकता था। जैसा कि कहा जाता है, शब्दों का वजन तलवार से ज्यादा होता है, क्योंकि तीर कमान से और बात जुबान से निकलने के बाद वापस नहीं आते।

हिन्दी में गलत उच्चारण की वजह से होने वाली गफलत कोई नई बात नहीं है। रोजमर्रा की जिंदगी में भी हम ऐसी गलतियां करते हैं, जो कभी हंसी का कारण बनती हैं, कभी गलतफहमी पैदा करती हैं। किसी ने बड़ी ही कमाल की बात कही है कि हिन्दी वह नदी है, जिसमें भारत की संस्कृति और सभ्यता की धारा बहती है। हिन्दी की मिठास ऐसी है कि यह हर दिल को छू लेती है, चाहे वह किसी भी प्रांत का हो। फिर ऐसे में हिन्दी बोलने वाले शाह और देवड़ा के बयानों से यही झलकता है कि...

ये हिंदी है प्यारे...बिन्दी भी संभल के...!

हिन्दी की गलतियां कुछ हुई हों तो क्षमा करें...!

ट्रम्प को ठेकेदारी किसने दी है?

राकेश दुबे

एक सवाल - क्या अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प भारत-पाकिस्तान के मसलों के ठेकेदार हैं? क्या अमरीका की रणनीतिक दोस्ती के मायने और निहितार्थ यही हैं? क्या अमरीका से दोस्ती खतरनाक और दुश्मनी घातक है? आखिर ट्रम्प की मध्यस्थता की मंशा क्या है? दरअसल ये तमाम सवाल स्वाभाविक हैं। युद्धविराम पर विपक्श यही सवाल कर रहा है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधनों में 'युद्धविराम' या 'सीजफायर' शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन गोलीबारी न करने अथवा सैन्य कार्रवाई न करने का समझौता दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच हुआ है।

जाहिर है कि संबद्ध प्रधानमंत्री ने ऐसे निर्देश दिए होंगे ! फिलहाल हमलों की गर्जनाएं दोनों तरफ शांत हैं। यही तो युद्धविराम है। सवाल पूछे जा रहे हैं कि भारत-पाक द्वारा अधिकृत घोषणा करने से पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने युद्धविराम की घोषणा कैसे कर दी? और प्रधानमंत्री मोदी इस पर बयान देकर संदेहों और सवालों को खत्म क्यों नहीं कर रहे हैं? हमें 1971 का दौर भी याद आ रहा है, जब 16 दिसंबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अचानक युद्धविराम की घोषणा कर दी थी। भारत-पाकिस्तान युद्ध जारी था और हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान की फौज का कचूमर निकाल दिया था। करीब 93,000 पाक सैनिकों को आत्मसमर्पण करना पड़ा था। तब भी भारतीय सेना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आगे बढ़ सकती थी। भारत अपने कब्जाए कश्मीर को वापस अपने अधिकार-क्षेत्र में ले सकता था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने युद्ध को रोक दिया। यही नहीं, 1972 में शिमला समझौता वार्ता में भी कश्मीर का कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। भारत-अमरीका के बीच व्यापार-सौदे की बातचीत जारी है। दोनों देश अपना कारोबार 500 अरब डॉलर तक ले जाना चाहते हैं। चीन के साथ व्यापारिक खुन्नस के मद्देनजर दक्षिण एशिया में भारत ही एकमात्र विकल्प है अमरीका के लिए। इतने विराट बाजार को अमरीका नाराज नहीं कर सकता। ट्रम्प ने अपनी चुनाव रैलियों के दौरान अमरीकी जनता को आश्वस्त किया था कि राष्ट्रपति बनने के 24 घंटों में ही वह रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे। राष्ट्रपति बने चार माह हो चुके हैं। अमरीका ईरान को भी दबाव में नहीं ले सका। यूरोपीय देश भी अमरीका से खिन्न हैं और अपनी ताकत को लामबंद करने में जुटे हैं। यही नहीं, राष्ट्रपति ने ट्रम्प कहा है कि कश्मीर समाधान के लिए मिल कर काम करेंगे। यह ठेकेदारी किसने सौंपी? भारत की विदेश नीति रही है कि वह द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे का दखल नहीं चाहता। शिमला समझौते का भी यह प्रावधान है कि कश्मीर पर किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। यह कैसे स्वीकार्य हो सकता है? बेशक संयुक्त राष्ट्र में अमरीका ने 'आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई' में भारत का लगातार समर्थन किया है, लेकिन उसे बेलगाम नहीं छोड़ा जा सकता।

ऑपरेशन सिंदूर ने मिटाया, सेना और टेररिस्ट में अंतर

सरयूसुत मिश्रा

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को करारी चोट देने के साथ ही विश्व के सामने उसका माथा भी झुका दिया है. एक देश के रूप में उसकी बची खुची इज्जत मिट्टी में मिल गई है. इस ऑपरेशन के नतीजे से पाक आर्मी और आतंकवादियों का मिला जुला चेहरा एक्सपोज हो गया है.. !!

ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकवादियों के ज़नाजे में पाक आर्मी के सीनियर अफसरों और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन के शामिल होने के साथ ही आर्मी चीफ, प्रेसीडेंट और प्राइम मिनिस्टर की ओर से उनको पुष्पचक्र अर्पित करना, यह साबित कर रहा है कि, पाक आर्मी उन्हें आतंकवादी नहीं बल्कि सेना का ही एक वरिष्ठ अफसर मानते हैं.

अब तो ऐसा ही माना जाने लगा है कि, जितने आतंकवादी हैं, उनका भेष भले अलग हो लेकिन वह पाक आर्मी के साथ मिलकर ही अपने ऑपरेशन को अंजाम देते हैं. मारे गए आतंकवादियों को पाकिस्तान की ज़ेहादी आर्मी और सरकार द्वारा करोड़ों रूपये की नकद सहायता देने का एलान किया गया है.

आतंकवादी ज़िहाद की बात करते हैं तो पाक आर्मी भी ज़िहाद को ही अपना मोटो मानती है. पाकिस्तान आर्मी का का मोटो पहले यूनिटी, फेथ, डिसिप्लिन था, जिसे जनरल जिया उल हक ने बदलकर इमान, फतवा और ज़िहाद पी. सबीलिल्लाह कर दिया. इसका मतलब है कि पाकिस्तान आर्मी इस्लाम के नॉन बिलीवर के खिलाफ ज़िहाद के लिए काम करती है.

पाक आर्मी का यह मोटो आतंकवादियों के मोटो को ही दोहराता है. पाक के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने हिंदू मुस्लिम पर जो तकरीर दी थी वह भी इसी ज़िहाद की मानसिकता प्रदर्शित करती है. विश्व के मॉडर्न दौर में इस तरीके की सोच किसी देश को बर्बादी के अलावा कुछ भी नहीं दे सकती हैं.

पाकिस्तान आज जिस कग़ार पर खड़ा हुआ है, उसका कारण ज़िहादी मानसिकता ही है. जो विचार आतंकवादी रखते हैं वही मोटो पाकिस्तान की आर्मी का है. आर्मी चीफ अपने सैनिकों से चर्चा करते हुए यही कहते हैं कि, आपको दीन के लिए लड़ना है, धर्म के लिए लड़ना है. मतलब जो लोग उनके धर्म में भरोसा नहीं करते हैं उनके खिलाफ ज़िहाद करना है. कितना दुर्भाग्यजनक है कि, पाक आर्मी अपने देश के लिए नहीं बल्कि वो तो धर्म के जिहाद के लिए लड़ती है.

जब पाकिस्तान आर्मी का यह ऑफिशियल मोटो है तो फिर ज़िहाद के नाम पर आतंक फैलाने वाले आतंकवादी निश्चित रूप से आर्मी कैडर का ही हिस्सा होंगे. हाफिज़ सईद और मसूद अजहर पाकिस्तान में उनके आर्मी चीफ से कम हैसियत नहीं रखते. उनकी रक्षा पाक आर्मी ही करती है. पहले भी यह साबित हुआ है कि आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान हमेशा झूठ बोलता रहा है.

अमेरिका में 9-11 हमले के बाद जब ओसामा बिन लादेन को पूरी दुनिया में तलाशा जा रहा था तब पाकिस्तान ने यही कहा था कि उसके देश में वह नहीं है. बाद में ओसामा बिन लादेन को अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान के एटमाबाद में ही घुसकर मारा था. ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि आतंकवादियों और पाक की आतंकवादी आर्मी में कोई भेद नहीं है. दोनों एक दूसरे के लिए काम करते हैं. आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले में हुई तबाही के बाद पाकिस्तान सेना अगर भारत के साथ युद्ध के लिए उतरी तो उसका कारण यही था कि, भारत ने आतंक के भेष में पाक आर्मी के लेफ्टिनेंट, मेजर, जनरल जैसे नुमाइंदों को ही मारा है.

अब तो पूरी दुनिया ने यह दृश्य देखे हैं, जिसमें आतंकवादियों को पाकिस्तान के राष्ट्रीय झंडे में लपेट कर अंतिम विदाई दी जा रही है. पाकिस्तान सेना के सीनियर अफ़सर आतंकवादियों के पीछे हाथ बांधकर खड़े हैं. पाकिस्तान की पुलिस और सिविल एडमिनिस्ट्रेशन आतंकवादियों को सलामी दे रहे हैं.

ऑपरेशन सिंदूर का दर्द पाकिस्तान कभी नहीं भूल पाएगा. भारत उसे भूलने भी नहीं देगा क्योंकि जब आतंकवादी और सेना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं तो फिर भारत को आतंकवादियों को कुचलने के लिए पाक सेना से ही लड़ना होगा.

इस्लामिक देश प्रगति के रास्ते पर बढ़ते जा रहे हैं. पाकिस्तान जैसे राष्ट्र ही धर्म के नाम पर ज़िहाद को अपना मोटो मान रहे हैं. धर्म के नाम पर ज़िहाद उनका केवल एक चेहरा है लेकिन उनकी नियत और ईमान धर्म से मेंल नहीं खाते हैं. बलूचिस्तान में जिन लोगों पर पाक आर्मी बर्बर कार्रवाई कर रही है वह भी इस्लाम धर्म के ही अनुयायी हैं. खैबर पख्तून में भी इस्लाम के ही अनुयायी ही रहते हैं. अगर इस्लाम के प्रति उनकी नियत और ईमान होता तो फिर इस्लाम धर्म के दूसरे लोगों पर अन्याय नहीं करते.

पाक आर्मी के खिलाफ पाकिस्तान में विद्रोह जैसे हालात बन रहे हैं. पाक कमांडर के घर तक जला दिए गए हैं. पाकिस्तान का कोई भी पूर्व प्रधानमंत्री और आर्मी चीफ या तो वह पाकिस्तान में नहीं रहता है या उसे जेल में कैद कर दिया जाता है. पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ सेना के बड़े अफसर द्वारा जेल के भीतर की गई अनैतिकता को पूरी दुनिया ने सुना है.

पाक सरकार, आर्मी जनरल और दूसरे अफसर बात भले ही इस्लाम की करते हो लेकिन उनका आचरण पूरी तरह से इसके ईमान के खिलाफ है. पाक आर्मी में करप्शन चरम पर है. वहां डेमोक्रेसी तो है ही नहीं. डेमोक्रेसी के फेस और गवर्नमेंट,आर्मी के नियंत्रण में ही काम करते है. पाक की अर्थव्यवस्था दिनों दिन रसातल में जा रही है. जब जिहाद उनका टारगेट है तो फिर प्रगति तो उनके मन में आ ही नहीं सकती है.

ज़िहाद वाली पाक आर्मी पूरी दुनिया को धोखे में रखने की कोशिश करती है. ज़िहाद के खिलाफ़ लड़ाई बहुत लंबी है. भारत को यह लड़ाई हर कीमत पर लड़नी पड़ेगी. ज़िहादी आतंकवाद ने भारत को बहुत नुकसान पहुंचा है. ऑपरेशन सिंदूर भारत के अस्तित्व से जुड़ गया है. अब केवल आतंकवादियों से नहीं लड़ना, जिहाद वाली पाक आर्मी भी आतंकवादियों के साथ खड़ी है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

देखें, साफ करें, ढंके: डेंगू को हटाने के उपाय करें की थीम के साथ मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस

दमोह। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के मौके पर जनसमुदाय में डेंगू से बचाव हेतु जनजागृति लाने के लिये जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश नामदेव द्वारा मलेरिया कार्यालय परिसर से डेंगू प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी यामिनी सिलारपुरिया सहित मलेरिया कार्यालय

डीपीसी की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय समिति गठित

मंडला। अशासकीय स्कूलों को मान्यता जारी करने एवं समाप्त करने का दायित्व संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र को प्रदाय किया गया है। जिले में संचालित अशासकीय स्कूलों द्वारा आरटीई के मापदंडों का उल्लंघन पाए जाने पर प्राप्त शिकायतों के संबंध में डीपीसी की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री अरविंद विश्वकर्मा के अलावा शिक्षाविद (सदस्य) श्री अरविंद शुक्ला से.नि. जिला शिक्षा अधिकारी, नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधि (सदस्य) श्री रामकुमार सिंगौर, पत्रकार (सदस्य) श्री आयुष चैरसिया तथा शासकीय प्रतिनिधि श्रीमती वंदना गुप्ता सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग शामिल हैं।

औबेदुल्लागंज पुलिस ने महाराष्ट्र से 2 नाबालिग बालिकाओं को किया दस्तयाब, 1 आरोपी को भेजा जेल

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। निर्देशन/मार्गदर्शन- वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशन में चल रहे नाबालिग बालिकाओ की दस्तायबी अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक रायसेन पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसेन कमलेश कुमार खरपूसे के मार्गदर्शन में एसडीओपी शीला सुराणा एवं थाना प्रभारी निरीक्षक बी.पी. सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। फरियादी जवाहर सिंह जाटव पिता किशन जाटव उम्र 40 साल निवासी ग्राम बेजलपुर थाना औ.गंज ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि उसकी नाबालिग भतीजी ., उम्र 16 वर्ष 15 दिन को कोई अज्ञात आरोपी द्वारा बहला, फुसला कर भगा ले गया है कि रिपोर्ट पर अपराध धारा 137(2) बी.एन.एस. का कायम कर विवेचना में लिया गया। वहीं दूसरी घटना में फरियादी रघुवीर जाटव पिता टीकाराम जाटव उम्र 53 साल निवासी ग्राम बेजलपुर थाना औबेदुल्लागंज, जिला रायसेन ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि उसकी नाबालिग लड़की को अज्ञात आरोपी द्वारा बहला फुसला कर भगा ले गया कि रिपोर्ट पर अपराध धारा 137(2) बी.एन.एस. का कायम कर विवेचना में लिया गया।अपराध अनुसंधान/विवेचना विवेचना के दौरान गठित टीम द्वारा अपहताओ व अज्ञात आरोपीगण की तलाश पतारसी प्रारम्भ की गई। तलाश व विवेचना के दौरान साक्षियो के कथन से संदेही की जानकारी प्राप्त कर तकनीकी साक्ष्य से संदेही के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। जिनमें संदेही का लोकेशन ग्राम सोनाले जिला भिवंडी (महाराष्ट्र) का होना ज्ञात होने से, प्रकरण में वरिष्ठ अधिकारियो से अनुमति प्राप्त कर टीम को रवाना किया गया था।

गाँव की दूसरी चिट्ठी : रंजिश ही सही, दिल ही दुखाने के लिए आ...!!

दीपक गौतम, सतना मध्य प्रदेश

मैं तुम्हें यह पत्र लिखते हुए थोड़ा सा भी खुश नहीं हो पा रहा हूँ कि इस बार मेरी अमराई (आम का बगीचा) में करहों (बौर) भी ढंग से नहीं आई है। तुम सोच रहे होगे कि ऐसा क्यों हो गया? तो मैं तुम्हें ये बता देना चाहता हूँ कि ये सब तुम्हारी नई पीढ़ी की उदासीनता की वजह से हुआ है। कभी यूँ भी होता था कि सयाने लोग खेल-खेल में पौधे रोपते-रोपते बड़े-बड़े बाग खड़े कर देते थे। लेकिन तुम्हारी पीढ़ी ने सिर्फ और सिर्फ मुझसे लेना सीखा है। शायद इसीलिए तुमने बचपन में मेरी अमराई के आम तो खूब चखे हैं, लेकिन कोई एक आम का पौधा तुमने नहीं लगाया। यदि लगाया होता, तो आज मेरी अमराई में बस कुछ गिने-चुने बचे आम के पेड़ नहीं होते। वह आम और आम के रसीलेपन से यूँ महरूम नहीं होती। अमराई के पास से गुजरने वाला हर आदमी आम से यूँ महरूम नहीं होता। गोया कि कुछ आम-जामुन के झाड़ बचे होते। अब इससे ज्यादा बेतकल्लुफी क्या होगी कि आम की बौर तो छोड़ो, आम के पेड़ ही नहीं बचे हैं। प्यारे अब मैं बहुत बदल गया हूँ कि तुमसे और किस-किस बात का रोना रोऊँगा। लेकिन आज की चिठ्ठी में गर्मी के इस मौसम में तुम्हारे बचपन की यादें ताजा करते हुए तुम्हें अपनी उस अमराई के हाल सुनाता हूँ, जिसमें लोट-पोटकर तुमने आम खाने सीखे हैं। तुम आम की मिठास शायद नहीं भूले होगे, भले ही तुमने अमराई के पेड़ों को मिट्टी-पानी और खाद डालना भुला दिया हो। वरना यूँ ही वो तबाह नहीं हुई होती। तुम्हें याद तो है न, कि दादू के बगीचे से लेकर गिरिजाबाग तक मेरी सौंधी मिट्टी में कितने आम के बगीचे हुआ करते थे।

मैं तुम्हारे बचपन की यादें लिखने बैठूँ, तो मुझे ही बूढ़ा होने का एहसास होने लगता है। इसीलिए इन्हें साझा करने से बचता हूँ। निमोही आँसू भी बह निकलते हैं। जरा-जरा नासूर सा चुभता है करेजे में और फिर कोई दर्द का सोता फूटता है कि धीरे-धीरे सब बह निकलता है। सालों बीत गए तुम्हें मेरी सीमा रेखा को लाँघे हुए। तुम लौटकर मेरी सुध लेने नहीं आए। बचपन से जवानी तक तुमने यहीं मुझसे साँसें उधार लेकर खुद को सींचा है। बात और है कि तुम मेरी अमराई को सींचना भूल गए। लगभग दो दशक बीतने को है। अब यहाँ सब बदल गया है। अब तो आम के वो दरख्त भी नहीं रहे, जिनके नीचे तुम्हारी गर्मी की दोपहर और सवेरे के कई घंटे बीते हैं। ठंड के मौसम में जहाँ शाम को आग का कूड़ा (अलाव) लगाकर गप्प और किसी के खेत से चोरी किए चने का होरा भुना जाता था। वह भी अब अपने अन्तिम चरण में हैं। खैर, सर्दियों के हाल फिर कभी कहूँगा। पहले मेरी अमराई में लगे पेड़ों के नाम तो सुन लो। शायद इनमें से कुछ तुम्हें याद भी हों। तुम्हारी अमराई का करिया, बसैधां, मालधा, लम्बी वाली, कोयलहा, सुपाड़ी, बदबदू, लदबदू, चपटुआ, नतनगरा, गुल्ला, झपर्रा, ठिर्री, कुशैलहा, खटुआ, लोढ़ामा और अकेलबा तुम्हें याद हैं? ये सब आम के पेड़ तुम्हारे बुजुर्गों की अदद मेहनत और परिश्रम का नतीजा थे, जो अब न के बराबर बचे हैं।

क्या तुम जानते हो कि हर आम का नाम उसकी खूबी के हिसाब से रखा गया था जैसे 'अकेलबा' मतलब जो बगीचे से दूर अकेले लगा है। इसीलिए 'अकेलबा' उसका नाम हो गया। 'लम्बी वाली' मतलब जिसके आम लम्बे से होते थे। 'चपटुआ' मतलब जिसका आकार चपटा होता था। जो आम सुपाड़ी की तरह था वह 'सुपाड़ी' ही कहलाता था। 'लदबदू' मतलब जो फलों से लदा रहे। अब इनके अवशेष ही बचे हैं। तुम्हारा कितना समय बीता है इनकी छाँव में। इनके नीचे तपती दोपहर काटते हुए। तुम्हारी टोली आमरस से लेकर रोटी, अचार और चटनी तक सब यहीं चट करती थी। भूल गए कि तुम्हारी बचपन की पूरी गर्मियों की छुट्टियों वाली दोपहर यहीं गुजरी थीं। अब तो नए छोकरों को टीवी और मोबाइल से फुर्सत ही नहीं है कि अमराई की बची हुई जन्नत का मजा उठा सकें। हालांकि मैं उन्हें दोष नहीं दूँगा और न ही उनसे शिकायत है, क्योंकि जब तुमने ही मुझसे मुँह मोड़ लिया, तो वह अभागा मुझे क्या समझेगा जो शहर की कंक्रीट के जंगल में पलकर बड़ा हुआ है। अब न ही वह दौर है, और न मेरी अमराई में जान बची है कि मैं उसे लुभा सकूँ।

मुझे नई पीढ़ी से कोई गिला-शिकवा नहीं है। शिकायत तो मुझे बस तुमसे और तुम्हारी पीढ़ी से ही है। तुमने तो वह मिठास चखी है। आम को यूँ ही 'फलों का राजा' नहीं कहते, यह तुमसे बेहतर भला कौन समझ पाएगा। तुमने आम की विदेशी किस्में तो मुझसे बिछड़ने के बाद शहर में ही चखी होंगी। लेकिन छककर आम का मज़ा तो तुमने यहीं मेरी अमराई में लिया है। याद करो, जब ताजा-ताजा साहें (पका हुआ देशी आम) 'लम्बी बाली' (पेड़ का नाम) में चढ़कर गिराते थे। तुम्हें पता है, वह 'लम्बी बाली' तुम्हारे हाथों तक पके आम से लदी अपनी शाखा जानबूझकर झुका देती थी। कैसे तुम्हें साहें खिलाने को 'लदबदू' (पेड़ का नाम) भी आमादा हो जाती थी। सोचो जरा कि आम होकर भी उसका नाम स्त्रीलिंग में क्यों रखा गया था। तुम्हारे पूर्वजों ने एक जननी की तरह उसको देखा और समझा। जैसे माँ जीवन भर आखिरी साँस तक दुलार लुटाती है, वो 'लदबदू' भी सूखकर गिर जाने तक सबको अपना आमरस पिलाती रही।

मुझे ये सब लिखते हुए बेहद तकलीफ हो रही है कि धीरे-धीरे वो दरख्तों से भरी अमराई अब शेष बचे दो-चार पेड़ों को लिए ही बेबस खड़ी हैं। मुझे बेहद खुशी होती यदि समय रहते तुम उनके साथ खड़े नजर आते। तुम शहर क्या गए कभी गर्मियों में अमराई की ओर मुड़कर तक नहीं देखा कि 'लंबी बाली' चली गई। 'लोढ़ामा' खत्म हो गया और न जाने मेरे दूसरे बगीचों के कौन-कौन से पेड़ खत्म हो गए। एक पेड़ का नाम 'दीदी बाली' था। उसकी साहें कितनी सुगंधित होती थीं। उससे तुमने बहुत आम चुराए हैं। कितनी शैतान टोली थी तुम्हारी बचपन वाली। याद करो रक्कू, पिन्टू, रज्जन, राजन, रामसेवक और तुम। सब भाइयों के साथ तुम्हारे दूसरे साथी। मामा, बुआ, मौसी, काकी और दूसरे रिश्तेदारों के बच्चे जो अक्सर गर्मियाँ यहीं बिताते थे। कभी गर्मियों में भी वह नाले से बनी नदी, जिसे 'धपसिया' कहते हैं लबालब भरी रहती थी और बहती भी थी। बस पूरी दोपहर बगीचे में आम और घर से लाई रोटियों का तुम मजा लेते थे। जब मर्जी आए एक डुबकी पानी पर मार लेते थे।

मैं तुम्हें और क्या-क्या याद दिलाऊँ कि बगीचे में ही एक झोपड़ी का अदद आशियाना बनाया जाता था। तुम लोगों को उसमें अपनी जरूरत का सारा सामान उपलब्ध हो जाता था। कुछ जरूरी तेजधार हथियार जो साँप-बिच्छू सहित बगीचे में उगे अनावश्यक झाड़ी-झंखाड़ की सफाई के लिए काम आते थे। ऐसे ही टॉर्च, बोरिया-बिस्तर और नमक-मसालों का भी इंतजाम जरूरी रहता था। आम पकने के समय रात का बसेरा भी तुम लोग बड़े भाइयों की निगरानी में करते थे। आँधी-तूफान आने पर बगल वाली अमराई के सारे पके आम बीनकर उसका खूब फायदा भी उठाते थे। क्योंकि उसका बूढ़ा सेवादार कक्काजी अक्सर रात में गायब रहता था। मेरी अमराई में बचपन में पेड़ों पर खेलने वाला एक प्रमुख खेल भी होता था 'इमली का डंडा'। इसमें पेड़ के नीचे एक डंडा रखा जाता था और बारी-बारी सबको दाम देना होता था। पेड़ पर सारे खिलाड़ी छुपते थे, जो बच्चा दाम देता था उसे नीचे पड़े डंडे को चूमने से पहले सबको पकड़ना होता था। अगर किसी एक को पकड़ लिया तो वह दाम देगा। अमूमन एक ही छोकरा पूरी दोपहर दाम देता-देता थक जाता था, क्योंकि गिनती शुरू होते ही सब पेड़ पर टँग जाते थे और उससे बच-बचाकर इमली का डंडा चूम लेते थे। वे कब ऊपर से कूदकर नीचे आ जाते थे, नीचे वाले बच्चे को पता ही नहीं चलता था। क्योंकि वह पेड़ पर कभी इस बच्चे के पीछे उसे पकड़ने को भाग रहा होता था तो कभी किसी और को। तुम्हें याद नहीं काफी कसरत भरा मगर रोचक खेल होता था। इसमें कई बार कुछेक छोकरों के हाथ-पैर भी टूटे। कुछ भागने के चक्कर में ऊपर से ऐसे फिसले कि सीधा अस्पताल में प्लास्टर चढ़ाने की नौबत आ गई। ये सब उस याद का हिस्सा हैं, जिनके जुबाँ पर आते ही न जाने उस गोष्ठी के कितने बालसखा और सखियाँ तुम्हें अब भी बरबस याद आ जाती होंगी। मेरी अमराई में तुम्हारे बचपन की छिटकी ऐसी हजारों यादें हैं, जिन्हें लिखकर मैं तुम्हें और कुरेदना नहीं चाहता हूँ। क्योंकि धीरे-धीरे मैं अपना पुराना स्वरूप खोता जा रहा हूँ।

मैं तुम्हें इस पत्र के साथ सालों पहले लिया ये एक चित्र साझा कर रहा हूँ, जो तुम्हें मेरी अमराई का हाल बयाँ करेगा। शर्त बस यही है कि तुम फिक्र मत करना। ये उस दरख्त का चित्र है, जिसके आम खाकर तुमने आम खाना सीखा। याद करो अब तो दादू बब्बा भी नहीं रहे, जिनके बगीचा का यह पेड़ है। राम मन्दिर के किनारे बने खेल के मैदान के पास का दृश्य तो तुम्हें याद होगा। पता है अब वह कितना बदल गया है। मेरे इस प्यारे बगीचे को ईंट बनाने वाले भट्ठा ठेकेदारों ने सालों पहले रौंदकर रख दिया है। कभी इसी अमराई के बीच में तुम अपने बाबा के साथ खलिहान में रात बिताने आते थे। तब यहाँ तुम्हारा खलिहान रखा जाता था। क्या भूल गए, वे गर्मी की चाँदनी भरी रातें? जिनकी ठंडक तुम्हारे सीने में अब तक जज्ब होगी? तुम्हीं कहो कि शहर जाकर कितनी रातें खुले आसमान के नीचे तुम्हें सोना नसीब हुआ है? तुमने अपने बाबा के साथ खलिहान में खुले आसमान के नीचे कितनी रातें चाँद तारे गिनते हुए सुकून से नींद की चादर ओढ़कर बिताई हैं। निर्लज्ज, क्या तुम सब भूल गए हो?

मुझे माफ करना। मैं तुम्हें अपशब्द नहीं कहना चाहता हूँ, लेकिन तिल- तिल के मर रही मेरी अमराई को देखने के लिए मैं अभिशप्त हूँ। अब मैं तुम्हें अपना हाले दिल और नहीं लिख पाऊँगा कि मेरे बाग-बगीचे अपने चरम पर पहुँचकर अब अपने अन्त की ओर हैं। कुछ तो आधुनिक विकास की भेंट चढ़ गए हैं, तो कुछ अपनी उम्र पूरी कर सूख गए हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो केवल और केवल लापरवाही की वजह से सूख रहे हैं। अब तुम ही कहो कि तुम्हारे जैसे गाँव के कितने शैतान छोकरों का बचपन यहाँ अमराई में कैद है। मुझसे तुम और क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारा बुढ़ापा आने तक मैं ही नहीं रह जाऊँ। इससे पहले कि मैं तुम्हारी सुखद यादों का खंडहर बन जाऊँ तुम चले आओ। मेरी अमराई तुम्हें बुला रही हैज्रू आ मेरे प्यारेज्र.रंजिश ही सही, दिल ही दुखाने के लिए आज्!!

एकलव्य विश्वविद्यालय में इंटेक दमोह चेप्टर का हुआ शुभारंभ

दमोह। विरासत जागरूकता और संरक्षण को ब?ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत मलैया की उपस्थिति में इंटेक दमोह चेप्टर का शुभारंभ एकलव्य विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ। इस अवसर पर इंटेक के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर, इंटेक मध्यप्रदेश के प्रदेश संयोजक दीपक खांडेकर (सेवानिवृत्त आईएएस), विशेष सचिव रेरा भोपाल तथा प्रदेश सहसंयोजक इंटेक राजेश बहुगुणा (सेवानिवृत्त आईएएस), इंटेक जबलपुर के संयोजक डॉ.संजय मल्होत्रा, कलेक्टर एवं इंटेक अध्यक्ष सुधीर कुमार कोचर एकलव्य विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं इंटेक दमोह की संयोजक डॉ.सुधा मलैया खासतौर पर मौजूद थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह ने कहा आज युवा पी जनरल दिखाई देती है इसीलिये हम देखते हैं किसी विद्यालय के अंदर, कालेज के अंदर, महाविद्यालय के अंदर पुरानी संस्कृति दिखाई नहीं देती। क्योंकि हमने अपनी गौरवशाली परम्परा को भुला दिया है। हमारे पूर्वज कहते रहे ÷अस्तु माँ सदगमय, तमसो मां ज्योति गमय÷ सत्य से सत्य की ओर जाओ, अंधकार से प्रकाश की ओर जाओ लेकिन जैसे ही आज विद्यार्थी प? लेता है, तो वह अपना तरीका बदल देता है। पूर्व वित्तमंत्री एवं विधायक जयंत कुमार मलैया ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया और कार्यक्रम की सभी को बधाई दी। इंटेक चेप्टर के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर ने कहा 237 वां अध्याय दमोह से शुरू हो रहा है। जहां एक सूत्र में बंधकर काम होता है वहां सफलता मिलती है, भारत का इतिहास वैभवशाली और गौरवशाली है।

संवेदनशील टाइगर कॉरिडोर में जेसीबी से उत्खनन

पुलिया निर्माण में ठेकेदार ने नदी में चलाई मशीनें वन विभाग नही पता किसने दी अनुमति

राजेश नायर, घोड़ाडोंगरी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत घोड़ाडोंगरी से अर्जुनगोंदी नेशनल हाईवे तक सड़क निर्माण का कार्य एक ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है। इस मार्ग के अंतर्गत एक पुलिया का निर्माण किया जा रहा था। जिसमें पुलिया की दीवार बनाने के लिए ठेकेदार ने सीधे नदी में जेसीबी मशीन चलवाकर उत्खनन करवा दिया। यह पूरा क्षेत्र अर्जुन गोंदी रेंज मे आता है। जो सतपुड़ा मेलघाट टाइगर कॉरिडोर का हिस्सा है। और यहां वन्य जीवों का निरंतर विचरण रहता है। मामला तब उजागर हुआ जब स्थानीय सूत्रों से जानकारी सामने आई कि टाइगर कॉरिडोर जैसे अति संवेदनशील क्षेत्र में ठेकेदार द्वारा नदी के भीतर भारी मशीनरी से उत्खनन कर पुलिया निर्माण किया जा रहा है। उत्खनन की जानकारी मांगी गई तो वन विभाग के फील्ड और उच्च अधिकारी तक यह स्पष्ट नहीं कर सके कि इस उत्खनन की अनुमति किसने दी। विभाग के पास न तो कोई लिखित अनुमति पत्र है। न ही संबंधित रिकॉर्ड वन विभाग की इस अनभिज्ञता से उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक ओर जहां सरकार वन्य जीवों के संरक्षण को लेकर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। वहीं टाइगर कॉरिडोर जैसे संरक्षित क्षेत्र में मशीनों से उत्खनन कर पुलिया बनाना नियमों की अवहेलना के साथ वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ भी है। सूत्रों के अनुसार जब वन विभाग के कर्मचारी को निर्माण के दौरान नदी में उत्खनन की सूचना मिली। तो मौके पर पहुंचकर ठेकेदार को कार्य रोकने का निर्देश दिया। पश्च्यात उक्त पुलिया का निर्माण कार्य बंद पड़ा है। और उपयोग में लाई गई जेसीबी मशीन वन चौकी के सामने खड़ी है। लेकिन अब तक न तो किसी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। और न ही मशीन की जब्ती की गई है। इस घटना क्रम से स्पष्ट है। कि संवेदनशील वन क्षेत्र में निर्माण कार्यों को लेकर न ही विभाग सतर्क है। और न ही ठेकेदारों को नियमों का कोई भय है। यदि विभाग अब भी सक्रिय नहीं हुआ तो भविष्य में टाइगर कॉरिडोर जैसे संरक्षित क्षेत्र में ऐसे निर्माण कार्य वन्यजीवों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

वन्यजीवों के पीने का जल स्रोत भी हुआ बाधित

भीषण गर्मी देखते हुए जहां अन्य वन क्षेत्रों में वन जीवों को पानी की कमी से राहत देने के लिए जल गंगा संवर्धन योजना के तहत जल स्रोत बनाए जा रहे है। वहीं पुलिया के लिए जंगल में किए गए उत्खनन से वन्यजीवों के पीने के पानी का स्रोत भी बाधित हुआ है। खुदाई की जगह पर देखा जा सकता है। जेसीबी ने जिस तरीके से उत्खनन किया है।।उससे वन्यजीवों का पीने का पानी भी बाधित हुआ है। जिसका जिम्मेदार ठेकेदार को माना जा रहा है।

इनका कहना है

मामला आपके ने संज्ञान में लाया गया है। मौके पर जांच करवाता हूं। बिना अनुमति के कार्य किये जाने पर कार्रवाई की जाएंगी।

विनोद जाखड़, वन परिक्षेत्र अधिकारी

ठेकेदार के पास परमिशन है। 2022 में परमिशन ली थी। हर साल हम इसे रिनिवल कराते हैं 2023-24 में भी परमिशन रिनिवल कराई है।

नरेंद्र डेहरिया
सब इंजीनियर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

2050 तक संभावित प्रजाति लुप्तता एक विस्तृत पर्यावरणीय वन्य जीव विश्लेषण

डॉ तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास की विशेष रिपोर्ट

हमारी पृथ्वी, जीवन की एक अद्भुत विविधता का घर है, जिसमें अनुमानित 80 लाख से अधिक प्रजातियाँ शामिल हैं। यह जटिल जाल लाखों वर्षों के विकास का परिणाम है, जहाँ प्रत्येक जीव एक विशिष्ट भूमिका निभाता है और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में योगदान देता है। हालाँकि, मानव गतिविधियों के बढ़ते प्रभाव के कारण, यह नाजुक संतुलन गंभीर खतरे में है। वैज्ञानिक अध्ययनों और संरक्षण संगठनों के विश्लेषणों से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि यदि वर्तमान रुझान जारी रहे, तो हम 2050 तक अभूतपूर्व प्रजाति विलुप्ति का सामना कर सकते हैं, जिसमें पृथ्वी की लगभग 50त्न प्रजातियाँ, यानी 110 करोड़ से अधिक जीव-जंतु और पौधे, हमेशा के लिए खो सकते हैं।

यह लेख, रेड लिस्ट, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया देहरादून, स्स्ट स्पीशीज सर्वाइवल कमीशन, जू आउटरीच ऑर्गनाइजेशन, कोयंबतूर ,सेंचुरी मैगज़ीन और विभिन्न वन्यजीव विशेषज्ञों के निष्कर्षों के आधार पर विश्लेषित है। इस आसन्न संकट का बिंदुवार विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

विनाशकारी अनुमान- वैज्ञानिक मॉडलों और वर्तमान विलुप्ति दरों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2050 तक पृथ्वी की आधी से अधिक प्रजातियाँ विलुप्त होने के कगार पर हैं या पहले ही विलुप्त हो चुकी होंगी। यह जैव विविधता के लिए एक भयावह परिदृश्य है, जिसके दूरगामी और अपरिवर्तनीय परिणाम होंगे।

मानवजनित कारण- इस संकट के मूल में मानव गतिविधियाँ हैं। पर्यावास का विनाश, जिसमें वनों की कटाई, कृषि के लिए भूमि का रूपांतरण और शहरी विकास शामिल हैं, प्रजातियों के रहने के स्थानों को नष्ट कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण तापमान में वृद्धि और मौसम के पैटर्न में बदलाव, प्रजातियों के वितरण और अस्तित्व को बाधित कर रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण, विशेष रूप से समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र में, जीवों के लिए एक घातक खतरा बन गया है। अंधाधुंध वनों की कटाई न केवल आवासों को नष्ट करती है बल्कि कार्बन सिंक को भी कम करती है। वायु और जल प्रदूषण, औद्योगिक और कृषि अपशिष्टों के कारण, पारिस्थितिक तंत्र को जहरीला बना रहे हैं। अंत में, अवैध वन्यजीव व्यापार कई संकटग्रस्त प्रजातियों को विलुप्त होने के कगार पर धकेल रहा है।

महत्वपूर्ण संख्या में संकटग्रस्त- के आंकड़ों के अनुसार, ज्ञात 10,000 से अधिक पक्षी प्रजातियों में से लगभग 1,400 संकटग्रस्त हैं। पक्षी पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे परागण और बीज का फैलाव, और उनकी हानि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर सकती है।

भारत में संकटग्रस्त प्रजातियाँ- भारत में गिद्धों की आबादी में भारी गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण पशुधन के इलाज में इस्तेमाल होने वाली डाइक्लोफेनाक जैसी दवाएं हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड, एक प्रतिष्ठित घास के मैदान का पक्षी, अपने आवास

के नुकसान और शिकार के कारण खतरे में है। हूलॉक गिबन, भारत का एकमात्र एप, भी वनों की कटाई और शिकार के कारण संकट का सामना कर रहा है।

(1) स्तनधारी

चौंकाने वाली दर: के अनुसार, दुनिया भर में प्रत्येक चार में से एक स्तनधारी प्रजाति संकटग्रस्त है। स्तनधारी विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उनकी हानि पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों को बाधित कर सकती है।

भारत में प्रतिष्ठित संकट- बंगाल टाइगर, भारत का राष्ट्रीय पशु, अवैध शिकार और आवास के नुकसान के कारण खतरे में है। एशियाटिक लायन, जो अब केवल गुजरात के गिर वन में पाया जाता है, अपने सीमित वितरण के कारण कमजोर है। हिमालयन ब्राउन बीयर और स्नो लेपर्ड, उच्च ऊंचाई वाले पारिस्थितिक तंत्र के महत्वपूर्ण शिकारी, जलवायु परिवर्तन और मानव हस्तक्षेप के कारण खतरे का सामना कर रहे हैं।

मुख्य खतरा वनों की कटाई स्तनधारियों के आवास को नष्ट कर रही है, जबकि मानव-वन्यजीव संघर्ष, अक्सर आवास के नुकसान के कारण होता है, कई प्रजातियों के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है।

3. भौगोलिक/पारिस्थितिक क्षेत्रों की विशेष चिंता

सर्वाधिक तीव्र गति से लुप्त होती प्रजातियाँ- नदियों, झीलों और दलदलों में रहने वाली प्रजातियाँ पृथ्वी पर सबसे तेजी से लुप्त हो रही हैं। मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र अत्यधिक दबाव में हैं।

प्रमुख कारण: जल प्रदूषण, जिसमें औद्योगिक कचरा और कृषि अपवाह शामिल हैं, इन नाजुक आवासों को जहरीला बना रहा है। अतिक्रमण, जैसे कि आर्द्रभूमि का विकास के लिए रूपांतरण, भी प्रजातियों के आवास को नष्ट कर रहा है।

उदाहरण: गंगा की डॉल्फिन, जो एक स्वस्थ मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है, प्रदूषण और निवास स्थान के नुकसान के कारण गंभीर खतरे का सामना कर रही है। लोटिक (बहते पानी) में रहने वाली मछलियाँ, जो विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुकूल होती हैं, भी बांधों और जल निकासी परियोजनाओं से खतरे में हैं।

प्लास्टिक का कहर- प्लास्टिक कचरा समुद्री जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है, जिससे 400 से अधिक समुद्री प्रजातियाँ प्रभावित हुई हैं। प्लास्टिक का अंतर्ग्रहण, उलझना और सूक्ष्मप्लास्टिक का प्रदूषण समुद्री खाद्य जाल को बाधित कर रहा है।

प्रभावित प्रजातियाँ- समुद्री कछुए प्लास्टिक खाने के कारण दम घुटने या भुखमरी से मर रहे हैं। व्हेल और डॉल्फिन प्लास्टिक के मलबे में उलझ जाती हैं। कोरल रीफ्स, जो समुद्री जैव विविधता के हॉटस्पॉट हैं, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण खतरे में हैं।

अन्य खतरे: कोरल ब्लीचिंग, जो समुद्र के बढ़ते तापमान के कारण होती है, प्रवाल भित्तियों को नष्ट कर रही है। ओवरफिशिंग, अत्यधिक मछली पकड़ना, समुद्री खाद्य श्रृंखला को असंतुलित कर रहा है और कई मछली प्रजातियों को खतरे में डाल रहा है।

बर्फ का पिघलना- जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में बर्फ का तेजी से पिघलना ध्रुवीय भालू, वॉलरस और सील्स जैसी प्रतिष्ठित प्रजातियों के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है, जो शिकार और प्रजनन के लिए बर्फ पर निर्भर हैं।

अद्वितीय जैव विविधता खतरे में- हिमालयी क्षेत्र, अपनी अनूठी स्थलाकृति और जलवायु के साथ, कई स्थानिक प्रजातियों का घर है जो अब खतरे का सामना कर रही हैं, जिनमें हिम तेंदुआ, लाल पांडा, मस्क डियर और हिमालयी मोनाल शामिल हैं।

मानवजनित दबाव- ग्लेशियरों का पिघलना, जो जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है, इन प्रजातियों के आवास और जल स्रोतों को प्रभावित कर रहा है। पर्यटन की बढ़ती गतिविधियाँ और खनन परियोजनाएँ भी हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव डाल रही हैं।

4. रेड डाटा बुक व संरक्षण प्राधिकरण

आईयूसीएन रेड लिस्ट- इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट प्रजातियों की संरक्षण स्थिति का यापक वैश्विक डेटाबेस है। यह प्रजातियों को उनकी विलुप्ति के जोखिम के आधार पर लुप्तप्राय, संकटग्रस्त और अति-संकटग्रस्त जैसी विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत करता है, जो संरक्षण प्रयासों को लक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यालय नगर परिषद सुल्तानपुर जिला रायसेन (मप्र)

Email-cmosultanpur @mpurban.cny in | Ph. 7974525806
क्रमाक/लोनि/374/2025 | सुल्तानपुर दिनांक- 15.05.2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों से आन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइड https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता

क्रं.	टेण्डर क्रमाक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_ UAD_ 423692_1	Interception & Diversion work for tapping nallah and setup sewage treatment plantforUsed water management for SULTANPUR TOWN Under Swachh Bharat Mission (Urban) w.2.0	1. 18 माह 2. 43110026	1. 15000 2. 215550	16.06.2025

नोटः निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन आनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइड पर ही किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद सुल्तानपुर**

अडानी की संपत्ति पाक से ज्यादा

भारत में 770 किमी रेंज वाली इलेक्ट्रिक सुपर कार की धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। लग्जरी और इलेक्ट्रिक कारों के शौकीनों के लिए एक रोमांचक खबर! विश्व प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल कंपनी जगुआर अपनी अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक जीटी कार, जगुआर टाइप 00 को भारत में लॉन्च करने जा रही है। यह शानदार कार 14 जून 2025 को मुंबई में एक भव्य आयोजन के दौरान प्रदर्शित होगी, जो इसके वैश्विक टूर का हिस्सा है। इससे पहले यह कार पेरिस, लंदन, मोनाको और टोक्यो जैसे शहरों में अपनी चमक बिखेर चुकी है। भारत में इसके लॉन्च को लेकर उत्साह चरम पर है, क्योंकि 32,000 से अधिक लोगों ने पहले ही इस कार में रुचि दिखाई है। जगुआर टाइप 00 सिर्फ एक कॉन्सेप्ट कार नहीं, बल्कि जगुआर के इलेक्ट्रिक युग में प्रवेश का एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह कार कंपनी की नई डिज़ाइन फिलॉसफी, एक्सुबेरेंट मॉडर्निज्म और तकनीकी नवाचार का शानदार नमूना है। यह चार-दरवाजों वाली इलेक्ट्रिक जीटी कार जगुआर के नए इलेक्ट्रिक आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो इसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहनों में अग्रणी बनाती है।

जगुआर टाइप 00 का डिज़ाइन भविष्य और विलासिता का संगम है। इसका लंबा बोनट, स्लोपिंग रूफलाइन, और तीक्ष्ण बॉडी लाइन्स इसे एक सच्ची सुपरकार का लुक देते हैं। कार के इंटीरियर में 3.2 मीटर लंबी ब्रास स्पाइन और हस्तनिर्मित ब्रास एक्सेंट्स इसे एक शाही अहसास देते हैं। यह कार सिंगल चार्ज में 770 किलोमीटर की प्रभावशाली रेंज प्रदान करती है और मात्र 15 मिनट की रैपिड चार्जिंग में 321 किलोमीटर की रेंज जोड़ सकती है। इसके अलावा, केवल 5 मिनट की चार्जिंग में 50 किलोमीटर की रेंज देने की क्षमता इसे लंबी यात्राओं के लिए आदर्श बनाती है। जगुआर ने भारत को अपने इलेक्ट्रिक वाहन नवाचार के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में चुना है। मुंबई में 14 जून 2025 को होने वाला यह प्रदर्शन भारतीय ग्राहकों के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह कार न केवल भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करेगी, बल्कि जगुआर की वैश्विक रणनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जगुआर टाइप 00 का प्रोडक्शन वर्जन 2025 के अंत में वैश्विक स्तर पर पेश किया जाएगा, जिसकी बिक्री 2026 से शुरू होगी। यह कार पोर्शे टायकन और टेस्ला मॉडल स जैसी लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों को कड़ी टक्कर देगी। पहले चरण में यह कार यूके और अमेरिका जैसे बाजारों में लॉन्च होगी, जबकि भारत में इसका आगमन दूसरे चरण में, यानी 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में होगा। अनुमानित कीमत लगभग 1,27,000 स्ठ (लगभग 1 करोड़ रुपये) होने की उम्मीद है, जो इसे प्रीमियम सेगमेंट में स्थापित करेगी।

सोने की कीमतों में फिर आया बड़ा बदलाव, चांदी में सुस्ती

मुंबई, एजेंसी। मई महीने में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अगर आप आज शनिवार 17 मई 2025 को बाजार में गोल्ड और सिल्वर खरीदने जा रहे हैं, तो मौजूदा भाव जानना जरूरी है।

आज के दिन सोने की कीमतों में 500 रुपए प्रति 10 ग्राम का तेज उछाल दर्ज किया गया है, जबकि चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 24 कैरेट सोना 95,280 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि 22 कैरेट सोना 87,350 रुपए प्रति 10 ग्राम में मिल रहा है। 18 कैरेट सोने की कीमत 71,470 रुपए प्रति 10 ग्राम है। दूसरी ओर, चांदी का रेट अब भी 97,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर बना हुआ है।

आज के सोने के रेट

18 कैरेट सोने के ताजा भाव: दिल्ली: 71,120 रुपए प्रति 10 ग्राम। कोलकाता और मुंबई: 71,500 रुपए प्रति 10 ग्राम। इंदौर और भोपाल: 71,080 रुपए प्रति 10 ग्राम। चेन्नई: 71,200 रुपए प्रति 10 ग्राम

22 कैरेट सोने के ताजा भाव: भोपाल और इंदौर: 87,100 रुपए प्रति 10 ग्राम। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ: 87,200 रुपए प्रति 10 ग्राम। हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई: 87,140 रुपए प्रति 10 ग्राम।

24 कैरेट सोने के ताजा भाव

भोपाल और इंदौर:95,120 रुपए प्रति 10 ग्राम। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ: 95,250 रुपए प्रति 10 ग्राम। हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु, मुंबई: 95,100 रुपए प्रति 10 ग्राम। चेन्नइ: 95,100 रुपए प्रति 10 ग्राम।

चांदी की कीमतें आज

दिल्ली, मुंबई, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद: 96,900 रुपए प्रति किलोग्राम। चेन्नई, हैदराबाद, मदुरै, केरल: 1,07,900 रुपए प्रति किलोग्राम। भोपाल और इंदौर: 96,900 रुपए प्रति किलोग्राम।

बोराना वीव्स का आईपीओ खुलेगा मंगलवार से

मुंबई, एजेंसी। सिंथेटिक ग्रे फैब्रिक के उत्पादन में अग्रणी बोराना वीव्स लिमिटेड (बोराना,द कंपनी) आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) मंगलवार, 20 मई 2025 को खोलने जा रही है। एंकर निवेश के लिए बिडिंग सोमवार, 19 मई को खुलेगी, जबकि आईपीओ की बिड/इश्यू अवधि गुरुवार, 22 मई 2025 को

समाप्त होगी। कंपनी का लक्ष्य 144.89 करोड़ जुटाना है, और इसके इक्विटी शेयर बीएसई लिमिटेड व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के मेन बोर्ड पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इश्यू साइज अधिकतम 67,08,000 इक्विटी शेयरों तक है, जिनकी कीमत 205 से 216 प्रति इक्विटी शेयर के बीच होगी और प्रत्येक शेयर का फेस वैल्यू 10 है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग नए निर्माण इकाई की स्थापना के खर्चों को पूरा करने के लिए किया जाएगा, जिससे सूरत, गुजरात में ग्रे फैब्रिक उत्पादन की क्षमता बढ़ेगी (प्रस्तावित यूनिट 4)। साथ ही, यह अतिरिक्त कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए भी इस्तेमाल होगी। कंपनी ने इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर के रूप में बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड और रजिस्ट्रार के रूप में केएफआइएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेडको नियुक्त किया है। बोराना वीव्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री मंगीलाल अम्बालाल बोराना ने कहा, आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) का शुभारंभ बोराना वीव्स लिमिटेड के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मनाक्सिया कोटेड मेटल्स का एफवाय25 में 790 करोड़ कुल आय और 15 करोड़ शुद्ध लाभ!

मुंबई, एजेंसी। मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो प्री-पेंटेड गैल्वनाइज्ड स्टील और प्लेन गैल्वनाइज्ड स्टील के अग्रणी निर्माता एवं निर्यातक में से एक है, ने अपने वित्त एफवाय25 और पूरे एफवाय25 के ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी कॉइल और शीट दोनों रूपों में उच्च गुणवत्ता वाले कोटेड मेटल उत्पादों में विशेषज्ञता रखती है।

मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर श्री करण अग्रवाल ने कहा, हमें खुशी है कि वित्तीय वर्ष 25 हमारे लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस वर्ष के दौरान, हमने वारंट और इक्विटी शेयरों के आवंटन के माध्यम से दो महत्वपूर्ण फंड रेजिंग पहलों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस पूंजी वृद्धि ने हमारे बैलेंस शीट को मजबूती प्रदान की है और हमारे आगामी विकास पहलों को गति देगी। जैसे ही हम वित्तीय वर्ष 26 में कदम रख रहे हैं, हम चल रहे परिवर्तनकारी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्साहित हैं। हम अपनी गैल्वेनाइजिंग तकनीक को अपग्रेड कर रहे हैं ताकिनिर्माण कर सकें — एक उच्च प्रदर्शन वाला अलॉय-कोटेड स्टील जो टिकाऊपन और प्रीमियम मूल्य के लिए जाना जाता है। यह बदलाव नए वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही से ही हमारे परिचालन मार्जिन और कुल लाभप्रदता में सुधार लाने की उम्मीद है।

कॉमवीवा ने भारत में टेक प्रतिभाओं को सशक्त करने के लिए युनिवर्सिटी ऑफ साउथैंप्टन, दिल्ली के साथ साझीदारी की

नई दिल्ली , एजेंसी। ग्राहक अनुभव और डेटा मोनेटाइजेशन सॉल्यूशंस के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी कॉमवीवा ने युनिवर्सिटी ऑफ साउथैंप्टन, दिल्ली के साथ एक रणनीतिक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने, साझीदारी का पारितंत्र तैयार करने और भविष्य के कार्यबल को सशक्त करने के अपने कॉमवीवा 2.0 विजन के साथ यह गठबंधन उद्योग-अकादमिक संबंधों को मजबूती देने और डिजिटल प्रतिभा की अगली पीढ़ी की एक जबरदस्त पाइपलाइन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस साझीदारी के जरिए, कॉमवीवा और युनिवर्सिटी ऑफ साउथैंप्टन दिल्ली का लक्ष्य प्रतिभा विकास, सामूहिक नवप्रवर्तन और समुदाय पर प्रभाव पर केंद्रित रणनीतिक पहल विकसित करना है। इससे युनिवर्सिटी के दिल्ली कैंपस में विद्यार्थियों के लिए सीखने के समृद्ध अवसरों का सृजन होगा जिससे वे अत्याधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ और वास्तविक दुनिया की कारोबारी चुनौतियों पर काम कर सकेंगे।

सेबी ने कार्वी के निवेशकों से दावा दायर करने को कहा, 2 जून की समयसीमा है नजदीक

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को भुगतान में चूक करने वाली कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) के निवेशकों से दो जून की समयसीमा से पहले अपना-अपना दावा दाखिल करने को कहा है। केएसबीएल को 23 नवंबर, 2020 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा डिफॉल्टर घोषित किया गया था। इसके बाद, निवेशकों को डिफॉल्टर ब्रोकर के खिलाफ दावे प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि 2 जून, 2025 निर्धारित की गई थी। सेबी ने अपने बयान में कहा, चूंकि डिफॉल्ट ब्रोकर कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड के खिलाफ निवेशकों के दावे प्रस्तुत करने की समय सीमा निकट आ रही है, इसलिए निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त समय सीमा पर ध्यान दें और आग्रह किया जाता है कि यदि उन्होंने अभी तक दावा प्रस्तुत नहीं किया है तो वे समय सीमा से पहले ही दावा प्रस्तुत कर दें। सहायता के लिए निवेशक एनएसई से उसके टोल-फ्री नंबर 1800 266 0050 पर कॉल करके आईवीआर विकल्प 5 चुनें या ईमेल करके संपर्क कर सकते हैं। अप्रैल 2023 में, सेबी ने केएसबीएल और उसके सीएमडी सी पार्थसारथी को प्रतिभूति बाजार से सात साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। ब्रोकिंग फर्म को दिए गए पावर ऑफ अटॉर्नी का दुरुपयोग करके ग्राहकों के धन की हेराफेरी करने के लिए उन पर 21 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

अमेरिका से पैसे भेजना भारतीयों को पड़ेगा महंगा, ट्रंप प्रशासन ने लगाया पांच फीसदी टैक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका से अब घर पर पैसे भेजना भारतीयों को महंगा पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन ने विदेश में भेजे जाने वाले धन पर पांच फीसदी टैक्स लगा दिया है। एक अनुमान के मुताबिक इस टैक्स के कारण अमेरिका में रहने वाले भारतीयों पर सालाना 1.6 अरब डॉलर से अधिक का बोझ पड़ सकता है। यह अनुमानित राशि आरबीआई के हालिया लेख में प्रकाशित 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'बिग प्रयोरिटी बिल' में रेमिटेंस (धन प्रेषण) पर पांच फीसदी उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है। यह ग्रीन कार्ड और एच1बी वीजा रखने वालों सहित चार करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करेगा। प्रस्तावित शुल्क अमेरिकी नागरिकों पर लागू नहीं होगा। आरबीआई के मार्च बुलेटिन के प्रकाशित लेख के मुताबिक, विदेश में रहने वाले भारतीयों ने 2023-24 में 118.7 अरब डॉलर की राशि भारत भेजी है। यह आंकड़ा 2010-11 में भेजे गए 55.6 अरब डॉलर से दोगुना है। भारत भेजी गई कुल राशि में अमेरिका की हिस्सेदारी 2023-24 में बढ़कर 27.7 फीसदी पहुंच गई, जबकि 2020-21 में यह 23.4 फीसदी रही थी। इस आधार पर अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने कुल 32.9 अरब डॉलर का राशि घर भेजी है। इसका पांच फीसदी 1.64 अरब डॉलर होगा।लेख के मुताबिक, रेमिटेंस से मिली राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से परिवार के भरण-पोषण के लिए होता है। इसलिए, इसकी लागत बढ़ने का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव होता है। इस लागत को कम करना वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण नीतिगत एजेंडा रहा है। विश्व बैंक के मुताबिक, भारत 2008 से ही रेमिटेंस प्राप्त करने वाला शीर्ष देश बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर धन प्रेषण में भारत की हिस्सेदारी 2001 के 11 फीसदी से बढ़कर 2024 में करीब 14 फीसदी पहुंच गई है।

आज से फिर शुरू हो रहा आईपीएल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और सैन्य टकराव के चलते स्थगित हुआ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 अब फिर से पटरी पर लौटने को तैयार है। शनिवार यानी 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइटराइडर्स आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले की सबसे खास बात होगी पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की वापसी, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। फैंस की निगाहें एक बार फिर उनके प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। लगभग 10 दिन के अंतराल के बाद दोनों टीमें टूर्नामेंट में अपनी पूरी ताकत झोंकना चाहेंगी। आरसीबी ने अब तक 11 मैचों में 16 अंक हासिल किए हैं और पाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर काबिज है। इस मैच में जीत उसे प्लेऑफ में लगभग पक्की जगह दिला देगी। वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन केकेआर के लिए मुकाबला करो या मरो जैसा है। 12 मैचों में 11 अंक जुटाने वाली टीम फिलहाल छठे पायदान पर है और एक और हार उनकी प्लेऑफ की उम्मीदों पर पानी फेर सकती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम आज बाजी मारती है। आइए जानते हैं कब और कहां खेला जाएगा मुकाबला..

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच कब और कहां खेला जाएगा? रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में 17 मई को खेला जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच कितने बजे शुरू होगा? रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच 7:30 बजे शुरू होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच में टॉस कब होगा? रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच में टॉस शाम 7 बजे होगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच किस टीवी चैनल पर आएगा? रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स मैच का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क (स्टार स्पोर्ट्स 1 एचडी/एसडी) पर पर होगा। लाइव स्ट्रीमिंग जियो हॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: फिल साल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), मयंक अग्रवाल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जोश हेजलवुड, यश दयाल, रसिख दार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, नुवान तुषारा, लुंगी एनगिडी, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, लवनिथ सिसोदिया, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वेंकटेश अय्यर।

जीटीआरआई ने कहा, एपल को भारत से निकालने के पीछे उच्च टैरिफ को लेकर दबाव बनाना चाहता है अमेरिका

नईदिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली एपल को भारत से निकालने के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को भारत पर दबाव बनाने के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही है। ऐसे में ट्रंप चाहते हैं कि कुछ फैसला होने से पहले ही भारत पर टैरिफ को लेकर इस तरह से दबाव बनाया जाए। ग्लोबल ट्रेड इनिशिएटीव रिसर्च (जीटीआरआई) के मुताबिक, यह ट्रेड टैरिफ के मामले में भारत को दबाने की ट्रंप की चाल हो सकती है। ट्रंप ने टिम कुक से चीन से विनिर्माण इकाई को स्थानांतरित करने के लिए अभी तक नहीं कहा है, जबकि एपल 85 फीसदी आईफोन चीन में बनाती है। भारत का योगदान सिर्फ 15 फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार, एपल विनिर्माण इकाइयों को बाहर ले जाती है तो इससे भारत को राजस्व का बहुत ज्यादा नुकसान नहीं होगा। हालांकि, नौकरियों पर जरूर असर पड़ेगा, क्योंकि देश में सस्ते वेतन पर लोग मिल जाते हैं। इस फैसले से एपल को ही ज्यादा नुकसान हो सकता है। भारत प्रति आईफोन से 30 डॉलर कमाता है। इसका अधिकांश हिस्सा उत्पादन से जुड़ी सब्सिडी (पीएलआई) के तहत एपल को वापस मिल जाता है। एपल जैसी बड़ी कंपनियों पर भारत टैरिफ भी कम कर रहा है। इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है, जो स्थानीय विनिर्माण तंत्र बनाने में लगे हैं। अमेरिका में 1,000 डॉलर में बिकने वाले हर आईफोन में भारत का हिस्सा 30 डॉलर से भी कम है। एपल विनिर्माण अमेरिका में ले जाती है तो भारत नए युग की प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

भारत में एपल असेंबली कर्मचारियों को 290 डॉलर मासिक वेतन देती है। अमेरिका में यह 2,900 डॉलर हो जाएगी। यानी एक डिवाइस को असेंबल करने की लागत 30 डॉलर से बढ़कर 390 डॉलर प्रति डिवाइस हो जाएगी। प्रति डिवाइस लाभ 450 डॉलर से घटकर 60 डॉलर रह जाएगा।

बजाज आलियांज़ लाइफ ने लॉन्च की सुपर फ्लेक्सिबल मार्केट-लिंक्ड पेंशन योजना

पुणे एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज़ लाइफ इंश्योरेंस ने बजाज आलियांज़ लाइफ स्मार्ट पेंशन योजना लॉन्च की है जो यूनिट-लिंक्ड, गैर-भागीदारी वाली व्यक्तिगत पेंशन योजना है। यह ग्राहकों को अपनी सेवानिवृत्ति योजना पर अधिक नियंत्रण रखने में मदद करती है। यह योजना, सेवानिवृत्ति कोष तैयार करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसका उपयोग जीवन भर की गारंटीशुदा आय हासिल करने और सेवानिवृत्त के बाद के दिनों में जीवन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा सकता है। यह योजना हाल ही में लॉन्च किए गए बजाज आलियांज़ लाइफ निफ्टी 200 अल्फा 30 इंडेक्स पेंशन फंड से जुड़ी है, जो लोगों को वित्तीय रूप से सुरक्षित सेवानिवृत्ति की योजना बनाने में मदद करने के लिए उच्च विकास क्षमता प्रदान करती है। ग्राहक अपने जोखिम-लाभ से जुडी प्राथमिकताओं के आधार पर इस उत्पाद के अंतर्गत उपलब्ध पांच अन्य फंड विकल्पों में से भी चुन सकते हैं।बजाज आलियांज़ लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, श्री तरुण चुघ ने लॉन्च पर अपनी टिप्पणी में कहा, वैश्विक स्तर पर, सेवानिवृत्त लोगों के पास दूसरे आय स्रोत के रूप में सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध है।

रणनीतिक स्थानों पर स्थापित हाई-स्पीड चार्जर्स से इंटरसिटी और अर्बन ईवी मोबिलिटी को मिलेगा नया आयाम

भोपाल। भारत की सबसे बड़ी 4-व्हीलर ईवी निर्माता और देश की ईवी क्रांति की अग्रणी कंपनी टाटा डाट ईवी ने आज अपने पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स का उद्घाटन किया। यह हाई-स्पीड चार्जर्स की सीरीज चार्जज़ोन और स्टैटिक के साथ साझेदारी में शुरू की गई है, जो टाटा डाट ईवी की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है जिसके तहत कंपनी ने 2027 तक देशभर में चार्जिंग पॉइंट्स की संख्या को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 4 लाख करने का लक्ष्य रखा है। भारत में इलेक्ट्रिफिकेशन के अगले चरण को गति देते हुए, टाटा डाट ईवी ने अपने ओपन कोलेबोरेशन फ्रेमवर्क के माध्यम से न केवल कई चार्ज प्वाइंट ऑपरेटर (सीपीओ) और ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) के साथ मजबूत साझेदारियाँ की हैं, बल्कि प्रमुख राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेज़ी से विस्तार भी किया है। इसी फ्रेमवर्क के अंतर्गत टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर नेटवर्क की शुरुआत की गई है, जो हाई-स्पीड चार्जिंग और बेहतरीन विश्वसनीयता प्रदान करेगा। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर श्री बालाजी राजन ने पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर साइट्स के शुभारंभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, जब भारत में ईवी अपनाने की गति तेज हो रही है, तब एक व्यापक और भरोसेमंद चार्जिंग नेटवर्क समय की मांग है। देश के प्रमुख ईवी कॉरिडोर्स में इन पहले 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर साइट्स की स्थापना एक सुपरफास्ट चार्जिंग नेटवर्क की शुरुआत है, जिसे हम देश के बड़े राजमार्गों पर फैलाएंगे। यह नेटवर्क भारत के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ते हुए चार्जिंग की चिंता को खत्म करेगा। हमारा मिशन है — तेज़, भरोसेमंद और सहज चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराना ताकि देशभर में निर्बाध ईवी मोबिलिटी सुनिश्चित हो सके — और यह तो बस शुरुआत है।

टाटा डाट ईवी ने भारत के प्रमुख राजमार्गों और शहरी केंद्रों पर रणनीतिक रूप से 10 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स लगाए हैं, ताकि तेज़ और सुविधाजनक चार्जिंग विकल्प मुहैया कराया जा सके। ये हाई-कैपेसिटी चार्जर्स उन क्षेत्रों में स्थित हैं जहां ईवी की संख्या अधिक है, जिससे उपयोगकर्ताओं को आराम, गति और सुविधा मिलती है। टाटा डाट ईवी ने देशभर में कुल 500 टाटा डाट ईवी मेगाचार्जर्स लगाने का लक्ष्य रखा है। नीचे पहले चरण के अंतर्गत लगाए गए 10 चार्जर्स की सूची दी गई है- मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग चार्जज़ोन की साझेदारी में टाटा डाट ईवी ने गुजरात और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर तीन हाई-कैपेसिटी मेगाचार्जर्स लगाए गए हैं- श्रीनाथ फूड हब, वडोदरा, शांति कॉम्प्लेक्स, वापी, होटल एक्सप्रेस इन, घोड़बंदर, लगभग 150-200 किमी की दूरी पर स्थित इन स्टेशनों में रेस्टोरेंट और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, ताकि प्रीमियम और भरोसेमंद चार्जिंग अनुभव डिलीवर किया जा सके।

दानवीर भामाशाह की जयंती पर राशन किट वितरण

छिंदवाड़ा राष्ट्रीय तेली पिछड़ा वैश्य महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर. के. शाहवाल सिंगरौली , प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर साहू दमोह , ट्रस्ट के विधि सलाहकार पुरुषोत्तम गुप्ता , भोपाल के मार्गदर्शन में तेली समाज के जिलाध्यक्ष भगवानदीन साहू के नेतृत्व में सामाजिक बंधुओं ने सैकड़ों गरीब , जरूरतमंदों को राशन किट भेंट कर बच्चों को भोजन करवाकर भामाशाह जयंती मनाई । इस अवसर पर श्री साहू ने बताया कि परम् दानवीर भामाशाह जी तेली समाज से थे । जब महान प्रतापी महाराणा प्रताप जी मुगलों से युद्ध कर रहे थे उस दौरान उनका राजपाठ छीन गया था । उनके आर्थिक हालात ठीक नहीं थे । ऐसी विपरीत परिस्थितियों में दानवीर भामाशाह जी ने उनकी आर्थिक सहायता की। परिणामस्वरूप महाराणा प्रताप युद्ध में विजयी हुई उनका राजपाठ वापस मिल गया । महान प्रतापी महाराणा प्रताप का जब भी जिक्र आता हैं तब - तब भामाशाह जी का त्याग भी याद आता है । भामाशाह जी ने उनकी संपत्ति का इतना धन दान दिया जिससे महाराणा प्रताप के 25000 सैनिकों का बारह वर्षों तक निर्वाह हो सके । दानवीर भामाशाह जी तेली समाज के गौरव रहे । इसलिए उनकी याद में समाज प्रतिवर्ष उनकी जयंती मनाकर गरीब जरूरतमंदों की सेवा करते हैं। इस अवसर पर ओमी साहू , दिलीप साहू , राधेश्याम साहू , हर्षवर्धन साहू , नितेश साहू (छिंदवाड़ा) , सुभाष साहू , हरीश साहू , अलकेश साहू (बोरदेही) सतीश साहू (दमुआ) , पवन साहू (हर्राई) , मुन्ना साहू , ओमनारायण साहू (उभेगाँव) , शम्भूदयाल साहू (गांगीवाड़ा) , आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक महामंच की जिला व तहसील स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक

छिंदवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक महामंच छिंदवाड़ा के अध्यक्ष टी. एन. मिश्रा की अध्यक्षता में गत दिवस विजय त्रिवेदी के निवास पर जिला व तहसील स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई।बैठक में महामंच के संरक्षक जयशंकर शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष टी. एम. आर. नायडू व तहसील अध्यक्ष पी. आर. डेहरिया विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में प्रत्येक 3 माह में जिला व तहसील की कार्यकारिणी की बैठक लेने का निर्णय लेने के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के 3 बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहने पर उसे कार्यकारिणी सदस्य पद से हटाये जाने के संबंध में चर्चा की गई।बैठक में महामंच के अध्यक्ष व्दारा प्रभाकर ठाकरे को महामंच के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर रखने की घोषणा की गई।बैठक में जिला व तहसील शाखा के कोषाध्यक्षों व्दारा आय-व्यय का विवरण रखा गया। इस अवसर पर एच. बि.मोहितकर, अशोक मिश्रा, बि.एल. बेलवंशी, एस.जि.कलसुले, एस.के.सूर्यवंशी, कादरी, जगदीश झंझोट, जि.पि.अग्रवाल, बि.एल.मालवीय, होरिलाल वाचक, सुश्री कमला डेहरिया, श्रीमती नंदा ठाकरे, के.एन.दुबे आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (17 मई ङ्क 21 मई 2025) घने बादल रहने एवं दिनांक 17.05.2025 को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश एवं दिनांक 18.05.2025 से 21.05.2025 तक बिजली, तूफान/तेज़ हवा (30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 26-27 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 72-89 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 35-45 प्रतिशत रहने की संभावना है ।

भाजपा नेता का पुतला दहन करेगी कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस जिला मुख्यालय सहित समस्त ब्लॉक मुख्यालयों पर दिनांक 17 मई 2025 को भाजपा नेता व मप्र के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का पुतला दहन करेगी। विदित हो कि गत दिवस जगदीश देवड़ा के द्वारा जबलपुर डिफेंस वॉलिटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित कहा कि पूरा देश, देश की सेना व सैनिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है।

वीर जवानों के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा देश भक्ति के गीतों से गूंजा शहर

दशहरा मैदान में वंदेमातरम के गीत से प्रारंभ हुई यात्रा, अमित ठेंगे चौक में पहुंचकर राष्ट्रगान से समाप्त हुई

छिंदवाड़ा। देश के वीर जवानों के सम्मान में भाजपा संगठन द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई इस यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता एवं आम लोगों ने भाग लिया दशहरा मैदान से शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और भारत माता जिंदाबाद के साथ वंदेमातरम के नारों से मैदान गुंजाएमान हो गया। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों मौत के घाट उतारने के बाद केन्द्र सरकार ने पकिस्तान से बदला लेते हुए सेना को कार्रवाई का आदेश दिया था जिसके तहत सेना ने 100 से अधिक आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया और पकिस्तान को मुंहतोड जवाब दिया। देश के वीर जवानों के सम्मान में भाजपा ने पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकालने का आव्हान किया था। इसी के तहत शहर में तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव, सांसद बंटी विवेक साहू, पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, आम जनमानस बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए तिरंगा यात्रा दशहरा मैदान से निकली और फव्वारा चौक होते हुए मानसरोवर काम्पलेक्स अमित ठेंगे चौक में समाप्त हुई, तिरंगा यात्रा के दौरान यात्रा में शामिल लोग देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों के नारे लगा रहे थे। यात्रा मार्ग पर भारत माता जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से गुंजायमान हुआ, दशहरा मैदान में वंदेमातरम गीत से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा का समापन अमित ठेंगे चौक पर राष्ट्रगान गाकर समाप्त हुआ। वीर जवानों के सम्मान में निकली तिरंगा।

सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि पकिस्तान प्रयोजित आतंकवादियों को आपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे देश की सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर मारा और आतंकवादियों के अड्डे नष्ट किये और भारत को विजय श्री मिली,सेना ने पूरे जोश के साथ पाकिस्तान में हमला किया पूरे देश का व्यक्ति अपने आप में गर्व महसूस कर रहा है। इसी के तहत आज शहर में तिरंगा यात्रा निकली जिसमें जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए हैं।यात्रा को लेकर भाजपा के जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारे सेना ने आपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया है।

जय गुरुदेव इंटरनेशनल स्कूल के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट उपलब्धि

छिंदवाड़ा। परासिया रोड, ईशा नगर में सीबीएसई बोर्ड से सम्बध्द जय गुरुदेव इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10 और 12 के वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के छात्रों का वार्षिक परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा । जिसमें सभी विद्यार्थियों ने शत उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ 90 प्रतिशत से अधिक बना कर अपनी सफलता का परचम लहराया। दोनों कक्षाओं में अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं और विभिन्न विषयों में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। कक्षा 12 में प्रथम स्थान पर सक्षम पटेलिया , द्वितीय स्थान पर संस्कृति साहू और तृतीय स्थान पर ईपशिता चौहान रही इसी क्रम में कक्षा 10 से प्रथम स्थान पर दिव्यआंश अहिरवार , द्वितीय स्थान पर रीत ठाकरे और तृतीय स्थान पर अक्षत राउत रहे.जय गुरुदेव इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधन, प्राचार्य और स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखनीय सफलता पर बधाई दी है।

बिछुआ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में (ए.ई.डी.पी.) कोर्सेस प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। जिले के शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में राज्य सरकार एवं उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (ए.ई.डी.पी.) कोर्सेस की शुरुआत की जा रही है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत युवाओं को कौशल आधारित एवं रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। ए.ई.डी.पी. पाठ्यक्रमों की विशेषता यह है कि छात्रों को स्नातक की पढ़ाई के अंतिम वर्ष में 6 से 12 महीने की अप्रेंटिसशिप दी जाएगी, जिसमें उन्हें न्यूनतम ?8,000 प्रतिमाह का स्टाइपेंड भी मिलेगा।

बीजेपी ने सेना के शौर्य और तिरंगे का किया अपमानः निलय डागा

सांध्य प्रकाश बैतूल। पूर्व विधायक निलय डागा ने भारतीय जनता पार्टी और उसके मंत्रियों पर प्रहार करते हुए कहा कि अब यह साफ हो गया है। कि बीजेपी सत्ता के नशे में देश की गरिमा और सेना के सम्मान को भी रौंदने से नहीं चूक रही है।पहले तो मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने अपने शर्मनाक बयान में देश की बहादुर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी को पाकिस्तानी आतंकवादियों की बहन कहा अब डिप्टी सी एम जगदीश देवड़ा ने तो सेना और सैनिकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक बता कर सेना के शौर्य और तिरंगे दोनों का अपमान किया है। जबलपुर में आयोजित सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डिप्टी सीएम देवड़ा ने कहा देश की सेना और हमारे सैनिक भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं। कहा कि जिस तरह पीएम मोदी ने हाल ही में पहलगाम अटैक का बदला लिया वह काबिल-ए-तारीफ है। बल्कि बीजेपी अब देश की रक्षा करने वाले जवानों को भी पार्टी और नेता विशेष का सेवक बना कर दिखाना चाहती है। जो सैनिक देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देते है। उनके सम्मान की बजाय बीजेपी नेता उन्हें मोदी के चरणों में झुका कर अपनी निकृष्ट सोच उजागर कर रहे है। कहा कि विजय शाह का बयान हो या जगदीश देवड़ा की शर्मनाक टिप्पणी दोनों ही इस बात का प्रमाण है। उनका सवाल है कि क्या अब देश की सेना भी बीजेपी की जागीर बन गई है। श्री डागा ने विदेश नीति को लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान के साथ सीज फायर करना भारत की संप्रभुता पर चोट है।

उन्नत कृषि तकनीक और सरकारी योजनाओं पर प्रशिक्षण

किसान सेवा केंद्र द्वारा सेमिनार चांद में हुआ संपन्न

छिंदवाड़ा। कलेक्टर की मंशा अनुसार कृषि विभाग के अधिकारी द्वारा किसानों को उन्नत खेती के बारे में बताना एक अच्छा कदम है। इससे किसानों को नई तकनीकों और विधियों के बारे में जानकारी मिल सकती है और वे अपनी खेती को और भी प्रभावी बना सकते हैं। जन सेवा हिताय और किसान सेवा केन्द्र जैसी सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने से किसानों को और भी अधिक लाभ हो सकता है। किसान सेवा केंद्र, जय श्री बालाजी इंटरप्राइजेज के माध्यम से, चांद में एक सेमिनार का आयोजन। इस सेमिनार में किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, महिलाओं के लिए घरेलू रोजगार, प्राकृतिक कृषि, केसीसी और अन्य सब्सिडी, कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग योजनाएं, और सब्सिडी संबंधी जानकारी पर प्रशिक्षण दिया गया।वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उमेश पाटील चौरई ने बतायाहम आशा करते हैं कि आप अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के साथ किसानों को प्रशिक्षित करने में हमारी मदद की आवश्यकता होगी तो हम किसानों को हर संभव मदद करेंगे। कृषि अनुसंधान केंद्र छिंदवाड़ा से संत कुमार शर्मा जो मौसम के बारे में जानकारी दी उनकी एक बात किसानों को बहुत अच्छी लगी और वह बात थी शर्मा ने अपना मोबाइल नंबर सबको प्रदान किया और किसी भी समय फोन में बात करके समस्या का निदान बतलाऊंगा आपकी उपस्थिति से किसानों को लाभ और वे अपने कृषि व्यवसाय को सुधारने में सक्षम होंगे।कृषि विभाग के अधिकारियों को सभी ने ध्यान से सुना और सुनने के बाद तालिया से धन्यवाद दियाजय श्री बालाजी इन्टरप्राईजेस छिन्दवाड़ा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को उन्नत खेती के बारे में जानकारी दी गई। यह एक बहुत ही उपयोगी और महत्वपूर्ण पहल है, जिससे किसानों को अपनी खेती की उत्पादकता बढ़ाने और अपनी आय में वृद्धि करने में मदद मिल सकती है।इस कार्यक्रम में भोपाल से आए जितेंद्र कुमार सिंगौर नेहरू युवा केंद्र के सरपंच पार्षद और किसान उपस्थित थे मंच का संचालन धनंजय बाढ़समुद्र जोशी द्वारा किया गया सभी लोगों ने मंच संचालन की तारीफ की।

वरिष्ठ नागरिक महामंच की जिला व तहसील स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक

छिंदवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक महामंच छिंदवाड़ा के अध्यक्ष टी. एन. मिश्रा की अध्यक्षता में गत दिवस विजय त्रिवेदी के निवास पर जिला व तहसील स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई।बैठक में महामंच के संरक्षक जयशंकर शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष टी. एम. आर. नायडू व तहसील अध्यक्ष पी. आर. डेहरिया विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में प्रत्येक 3 माह में जिला व तहसील की कार्यकारिणी की बैठक लेने का निर्णय लेने के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के 3 बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहने पर उसे कार्यकारिणी सदस्य पद से हटाये जाने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में महामंच के अध्यक्ष व्दारा प्रभाकर ठाकरे को महामंच के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर रखने की घोषणा की गई।बैठक में जिला व तहसील शाखा के कोषाध्यक्षों व्दारा आय-व्यय का विवरण रखा गया। इस अवसर पर एच. बि.मोहितकर, अशोक मिश्रा, बि.एल. बेलवंशी, एस.जि.कलसुले, एस.के.सूर्यवंशी, विजय कुमार त्रिवेदी, जि.एस.डेहरिया, कादरी, जगदीश झंझोट, जि.पि.अग्रवाल, बि.एल.मालवीय, होरिलाल वाचक, सुश्री कमला डेहरिया, श्रीमती नंदा ठाकरे, के.एन.दुबे आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

तीन बैठक में उपस्थित नहीं होगें उन्हे हटाया जावेगा

छिंदवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा छिंदवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली ने बतया कि एसोएिशन की मासिक बैठक दिनांक 18 मई 2025 दिन रविवार को बाद दोपहर 3.00 बजे से जनसेवा केन्द्र वार्ड नंबर 5, पुराने पी.डब्लू.डी. आफिस के पास छिंदवाड़ा में आयोजित की गई है । बैठक में वर्तमान में शासन द्वारा डी.ए., डी.आर. के संबंध में पेंशनरों के अहित में लिये गये निर्णय पर चर्चा कर बैठक में लिये गये निर्णयों को वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन की संभागीय बैठक दिनांक 26.04.2025 को अमरकंटक में आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय के संबंध में जानकारी दी जायेगी ।

मंदिर कोसमी भूमि विवाद में गंभीर मुद्दे की जांच करवायें

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के प्रसिद्ध श्री हनुमान मंदिर कोसमी की भूमि विवाद के संबंध में क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक संगठन ने आज अनुविभागीय अधिकारी परासिया को ज्ञापन सोपकर भूमि विवाद को शीघ्र हल करने की मांग रखी ज्ञात हो कि श्री हनुमान मंदिर कोसमी परासिया क्षेत्र का ही नहीं जिले का सिद्ध स्थान है जो लाखों श्रद्धालुओं की श्रद्धा व आस्था है इस मंदिर की भूमि को राधेश्याम सिकंदरपुरे के द्वारा गुप्त रूप से क्रय किया गया और 30 वर्षों से समिति के लोग एवं श्रद्धालुओं को छलावे में रख रहे थे यह सारी भूमि मंदिर की ही है और उनके एवं उनके पुत्र द्वारा शपथ पत्र के माध्यम से भूमि का हक छोड़ने का वादा किया गया था जिससे अब ये मुकर रहें है और मंदिर कि भूमि जिस पर लगभग 30 सालों से मंदिर का कब्जा है और सारे धार्मिक हर काम यहां पर आयोजित किए जाते हैं इस भूमि पर सारे निर्माण कार्य मंदिर समिति धान के पैसों से एवं शासकीय मदसे कराये गए हैं! अब स्वयं का निर्माण करना चाह रहे हैं जबकि समिति के लोगों के द्वारा इस भूमि की वर्तमान शासकीय कीमत या उससे दुगनी राशि देने के लिए कहा गया है लेकिन इनके और इनके पुत्र द्वारा सभी की धार्मिक भावनाओ को दरकिनार कर न्यायालय प्रक्रिया के द्वारा उनकी इच्छा साफ दिख रही है यह मंदिर की भूमि दान नहीं करना चाह रहे हैं इसके कारण हनुमान भक्तों में आक्रोश व्याप्त है एवं ज्ञापन में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला परासिया, हिंदू जागरण मंच महाकौशल प्रांत, विश्व हिंदू परिषद महाकौशल प्रांत मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी, ब्रह्म समाज कल्याण मंडल परासिया द्वारा सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में ज्ञापन सौंपा गया।

सांदीपनि विद्यालय आष्टा के समर कैम्प में विद्यार्थियों को दिया संस्कृत भाषा का ज्ञान

आष्टा। सांदीपनि सी.एम. राइज शासकीय उत्कृष्ट उमावि आष्टा में 01 मई से 20 मई 2025 तक समर कैम्प का आयोजन प्रातः 07 बजे किया जा रहा है। शासन के निर्देषानुसार सांदीपनि सी.एम. राइज़ विद्यालयों में ग्रीष्मावकाष का सद्उपयोग के उद्देष्य से समर कैम्प में विद्यार्थियों को भाषा ज्ञान एवं षिक्षण की गतिविधियों हेतु विषेष सत्र दिनांक 16 मई से 21 मई के मध्य स्थानीय भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषा देववाणी संस्कृत का संस्कृत भाषा के षिक्षक धीरज शर्मा द्वारा दिया गया। संस्था के षिक्षक अंत्येष धारवां द्वारा बताया गया कि इस वर्ष शासन द्वारा समर कैम्प में भाषा ज्ञान/षिक्षण की गतिविधियों को भी समर कैम्प में शामिल किया गया है। षिक्षक धीरज शर्मा ने बताया कि संस्कृत भाषा ज्ञान एवं षिक्षण की गतिविधियों में संस्कृत भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को स्मार्ट क्लास के माध्यम से बताया गया एवं संस्कृत भाषा में किस प्रकार हमें अभिवादन करना, लिखना बताया गया। समर कैम्प में प्रतिदिन विद्यार्थी खेलकूद, चित्रकला, गायन वादन, संगीत, कम्प्यूटर कक्षा, स्पोकन इंग्लिष के साथ साथ देववाणी संस्कृत भाषा का ज्ञान एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के संबंध में प्रतिदिन संस्कृत भाषा के षिक्षा विद द्वारा दिया जा रहा है। समर कैम्प के नोडल अधिकारी सतीष वर्मा द्वारा बताया गया कि संस्था प्राचार्य सितवत खान के मार्गदर्षन में प्रतिदिन समर कैम्प में क्रीड़ा प्रभारी कुमारी संगीता ठाकुर द्वारा स्थानीय खेलकूद, प्राणायाम, योगाभ्यास एवं शारीरिक गतिविधियां करवाई जा रही है। समर कैम्प में संगीत एवं गायन वादन प्रभारी श्रीराम श्रीवादी द्वारा विद्यार्थियों को चित्रकलां, आर्ट एंड क्राफ्ट एवं विद्यार्थियों को संगीत का अभ्यास कराया जा रहा है। विद्यार्थियों को समर कैम्प में शारीरिक गतिविधियों के अतिरिक्त कम्प्यूटर उपकरण एवं उससे जूड़ी तकनीकि षिक्षा का ज्ञान संस्था के आई.टी. षिक्षक आषीष विष्वकर्मा द्वारा दिया जा रहा है।

समर कैम्प में विद्यालय के षिक्षक अंत्येष धारवां, सतीष वर्मा, धीरज शर्मा, राजीव सारसिया, विजय हाटेकर, विजय अडगले, दिनेष गहरवाल, संतोष कुमार सिंगारिया आदि का विषेष योगदान रहा।

कम परीक्षा परिणाम वाली संस्थाओं की समीक्षा, सुधार के लिए दिए दिशा-निर्देश

छिन्दवाड़ा। जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस. बघेल द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा में उन शासकीय विद्यालयों की समीक्षा बैठक ली गई, जिनका मंडल परीक्षा परिणाम 2025 में 60 प्रतिशत से कम रहा है। बैठक में जिले के 41 हाईस्कूल एवं 17 हायर सेकेण्डरी स्कूलों के संस्था प्रमुख शामिल हुए। समीक्षा के दौरान प्रत्येक संस्था प्रमुख से अलग-अलग चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। बैठक में कुछ संस्थाओं में शिक्षकों की पढ़ाई के प्रति लापरवाही पाई गई, जिसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित विषय शिक्षकों को समझाइश देने के निर्देश जारी किए गए। साथ ही अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को द्वितीय परीक्षा फार्म भरवाने एवं जिनके विषय अधिक हैं, उन्हें मध्यप्रदेश राज्य ओपन बोर्ड से जोड़ने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री बघेल ने बताया कि द्वितीय परीक्षा के बाद ही संस्था का अंतिम परीक्षा परिणाम घोषित होगा, इसलिए यह स्कूलों के लिए परिणाम सुधारने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी संस्था प्रमुखों को द्वितीय अवसर में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं चलाने और उन्हें उपलब्ध अध्ययन सामग्री के माध्यम से तैयारी करवाने के निर्देश दिए। इन कक्षाओं की दैनिक फोटोग्राफ रिपोर्ट भी अनिवार्य रूप से भेजने के लिए कहा गया।

रोगी कल्याण समिति के अंतर्गत प्रक्योरमेंट एण्ड मेंन्टेनेन्स सब कमेटी का गठन करें:कलेक्टर

मंडला। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक जिला योजना भवन में आयोजित की गई।बैठक में रोगी कल्याण समिति के सचिव सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे ने पिछली छःमाही की प्रगति के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि रोगी कल्याण समिति के अंतर्गत प्रक्योरमेंट एण्ड मेंन्टेनेन्स सब कमेटी का गठन करें। यह सब कमेटी रोगी कल्याण समिति के समस्त प्रकार के क्रय एवं रखरखाव के कार्यों के लिए अधिकार संपन्न होगी। उन्होंने समिति में अशासकीय सदस्यों की संख्या ब?ाने की अपील की। बैठक में रोगी कल्याण समिति के आय की मदों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि रोगी कल्याण समिति की दुकानों के लिए ब?ा हुआ किराया निर्धारित कराएं। छोटी दुकानों के लिए किराया 12 हजार रूपए एवं ब?ी दुकानों के लिए 15 हजार रूपए निर्धारित करने का निर्णय लिया गया।उन्होंने कहा कि सभी दुकानों का फ्रंट लुक एक समान दिखाई दे इसके लिए एक बोर्ड डिजाईन करें, जिससे सभी दुकानों पर एक तरह का साईन बोर्ड एक ही साईज एवं कलर में रहे।

बैठक में रोगी कल्याण समिति के कर्मचारियों की मानदेय वृद्धि के प्रस्ताव के संबंध में चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि समिति के आय-व्यय का आंकलन करते हुए मानदेय वृद्धि का प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव में कर्मचारियों के अनुभव को ध्यान में रखें। उन्होंने कहा कि अस्पताल मेंन्टेनेंस तथा दवाओं के संबंध में शासन को भेजने के लिए प्रस्ताव तैयार कराएं। बैठक में अस्पताल में चिन्हित किए गए ब्लाइंड स्पॉट्स के लिए नए 32 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का निर्णय लिया गया।बैठक के दौरान एम्बूलेंस सर्विस चार्ज में वृद्धि, 100 वाहन के चार्ज में वृद्धि, जन्म प्रमाण पत्र शुल्क ब?ाने, ईसीजी चार्ज, दुकानों के नगरीयकरण, हस्तांतरण एवं नामांतरण शुल्क तय करने,चिकित्सालय के एयरकंडीशनर्स के रखरखाव, समिति सदस्यों के डोनेशन ब?ाने, आईसीयू एवं पेईंग वार्ड का किराया ब?ाने, द्वितीय तल पर वेटिंग एरिया निर्माण,जनरेटर,पेस्ट कंट्रोल, उदयचैक पर स्थित रोगी कल्याण समिति के भवन तथा अस्पताल के सामने स्थित जर्जर धर्मशाला के संबंध में भी प्रस्ताव पर चर्चा की गई।बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, आरएमओ डॉ.प्रवीण उइके,अशासकीय सदस्य श्री संजय तिवारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

विकलांग प्रमाणपत्र नहीं बनने से बेरंग लौटे एक दर्जन दिव्यांगजन विधायक से ने उनकी पीड़ा समझकर जिले के अधिकारियों से की चर्चा

240 किमी का सफर कर विकलांग प्रमाणपत्र बनवाने गए जनचेतना मंच के जिम्मेदारों के साथ आनंदपुर से गए थे दिव्यांग

सिरोंज। जिला मुख्यालय से 120 किलोमीटर दूरस्थ ग्रामीण अंचल ग्राम पंचायत आनंदपुर कस्बे से अपने विकलांग सर्टिफिकेट बनवाने के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचे करीब एक दर्जन विकलांग दिव्यांगजन हितग्राहियों को जिला चिकित्सालय के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के कारण बैरंग वापस लौटना पड़ा। भीषण गर्मी में जिला मुख्यालय तक आने जाने से बेहाल हुए छोटे बच्चों सहित बुजुर्ग दिव्यांगजनों ने प्रमाणपत्र न बनने से निराश होकर लौटकर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा से मिलकर अपनी पीड़ा से अवगत कराया।

लटेरी रोड स्थित विश्रामगृह में दिव्यांगजनों एवं उनके सहयोगियों,परिवारजनों से उनकी पीड़ा जानने से उपरांत विधायक उमाकांत शर्मा ने जिले सिविल सर्जन अधिकारी,सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग के जिलाधिकारी से चर्चा कर दिव्यांगजनों के गुरुवार के शिविर में समय पर सभी स्वास्थ्य परीक्षण आदि सभी कार्यवाही होने के लिए दूरभाष पर चर्चा की एवं उनकी पीड़ा से अवगत कराया। उन्होंने स्थानीय अनुविभागीय अधिकारी को भी मौके पर बुलाकर जिला मुख्यालय से दूरस्थ क्षेत्र के दिव्यांगों की पीड़ा से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराते हुए मिलवाया। उन्होंने सभी दिव्यांगजनों को भी शीघ्र अति शीघ्र नियमानुसार सकारात्मक कार्यवाही कराने हेतु आश्वस्त किया। विधायक शर्मा ने सिरोंज लटेरी जनपद पंचायत के सीईओ, सीएमओ तथा निशक्तजन कल्याण विभाग के अधिकारियों से भी सिरोंज-लटेरी से आग्रह करता हूँ कि निशक्त लोगों के लिए पीड़ित मानव कल्याण की दृष्टि से हमेशा समय पर सहयोग करने का आग्रह किया है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को जनचेतना मंच के अध्यक्ष गोवर्धन जी तथा समाजसेवी धर्मेंद्र पाटीदार अपने साथ लगभग 11 दिव्यांग महिला पुरुष एवं बच्चों को लेकर विकलांग प्रमाण पत्र बनवाने जिला चिकित्सालय गए थे किंतु वहां उत्तरदायी चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी की अनुपस्थिति के कारण दिव्यांगजनों की सुनवाई नहीं हो सकी।

भोपाल-इंदौर समेत 39 जिलों में आज आंधी का अलर्ट, मप्र में 20 तक बारिश

भोपाल। प्रदेश में 4 दिन 20 मई तक आंधी-बारिश के साथ लू भी चलेगी। शनिवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 39 शहरों में आंधी और बारिश का अलर्ट है, जबकि 3 जिले- रीवा, मऊगंज और उमरिया में रातें गर्म रहेंगी। इससे पहले शुक्रवार को ग्वालियर, खजुराहो और नौगांव में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। शनिवार को जिन जिलों में बारिश होने और आंधी चलने का अलर्ट है, उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, भिंड, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह,

नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, सिंगरौली शामिल हैं। यहां 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश में 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन और एक टर्फ की एक्टिविटी है। इस वजह से बारिश और आंधी चल रही है। बारिश के साथ गर्मी का असर भी देखने को मिलेगा। इसके लिए अलर्ट जारी किया है।

ये शहर रहे सबसे गर्म

आंधी-बारिश के बीच मध्यप्रदेश में शुक्रवार को गर्मी के तेवर भी देखने को मिलें। एक बार फिर दिन का तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच गया। छतरपुर जिला सबसे गर्म रहा। यहां के खजुराहो में पारा सबसे ज्यादा 45.8 डिग्री पहुंच गया। ग्वालियर और नौगांव में भी 45 डिग्री दर्ज किया गया। इस सीजन में पहली बार तापमान इतना पहुंचा। इसी तरह सतना में 44.1 डिग्री, गुना, शिवपुरी-टीकमगढ़ में 44 डिग्री, रीवा में 43.6 डिग्री, सीधी में 42.4 डिग्री, दमोह में 41.5 डिग्री, उमरिया में 40.5 डिग्री, सागर में 40.2 डिग्री और रायसेन में 40 डिग्री रहा। पांच बड़े शहरों में ग्वालियर के बाद जबलपुर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 38.4 डिग्री, इंदौर में 36.9 डिग्री और उज्जैन में 39 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को डिंडौरी, सिवनी, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, मंडला, अनूपपुर, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्णा, बैतूल, धार, खरगोन समेत कई जिलों में मौसम बदला रहा। यहां आंधी और बादल वाला मौसम देखने को मिला। भोपाल में दिन में तेज धूप खिली रही। इससे पहले बादल छाए थे।

भोपाल में ज्यादा बिजली खपत वाले स्थानों पर लगा जा रहे हैं नए मीटर

भोपाल। राजधानी में बिजली खपत का नया फार्मूला लागू होने के बाद से बिजली कंपनी शहर में नए मीटर लगाने का काम किया जा रहा है। इसके तहत शहर में अधिक से अधिक या ज्यादा बिजली खपत करने वाले संस्थान जैसे शॉपिंग मॉल, आउटलेट्स, बड़े शोरुम, बड़ी होटलस्, कारखाने, अस्पताल, बड़े दफ्तर, कार्यालय सहित अन्य संस्थानों को अब नया बिजली मीटर लगवाना होगा। इन स्थानों पर बिजली की नई दरों के हिसाब से ही बिल जनरेट होगा। बताया जा रहा है कि अप्रैल से बिजली की नई दरों में पहली बार शामिल टाइम ऑफ डे के फॉर्मूले के कारण ये नए मीटर लगाने का काम भोपाल में तेजी से किया जा रहा है। इन सभी स्थानों पर पुराने मीटर लगे हुए हैं, जो नए फॉर्मूले के हिसाब से रीडिंग नहीं ले सकेंगे। इस कारण यह बदलाव किया जा रहा है।

बिजली कंपनी के अफसरों की मानें तो अब इन मीटर में टीओडी से जुड़ा एक नया सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया जा रहा है। ये उपभोक्ताओं को 10 किलोवाट से ज्यादा लोड की श्रेणी के हैं। इसमें सुबह 6 बजे से 9 बजे तक और शाम 5 से रात 10 बजे तक की रीडिंग ली जाएगी। इन दो टाइम स्लॉट में बिजली खपत पर अब 20 प्रतिशत सरचार्ज लगेगा, जो नए बिजली बिल में सब जुड़कर आएगा। बताया जा रहा है कि नए टैरिफ के हिसाब से 20 प्रतिशत सरचार्ज के अलावा इन बड़े उपभोक्ताओं को एक नई राहत भी मिलेगी। इसकी वजह यह है कि अभी तक ऐसे बड़े उपभोक्ताओं को दी जाने वाली छूट दो हिस्सों में बंटी थी। अप्रैल से अक्टूबर तक 10 प्रतिशत की छूट मिलती थी और नवंबर से मार्च तक यह 20 प्रतिशत थी। अब पूरे साल 10 प्रतिशत की छूट ऐसे उपभोक्ताओं को दी जाएगी।

अभिनेता सैफ अली खान की संपत्तियों की जांच को लेकर केंद्र सरकार ने शुरू की प्रक्रिया

भोपाल। राजधानी भोपाल और आसपास के जिले यानी रायसेन और सीहोर में नवाब हमीदुल्ला खान से जुड़ी शत्रु संपत्तियों पर केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लेकर गृह मंत्रालय द्वारा सर्वे का काम शुरू कराया गया है। भारत सरकार द्वारा समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री को लिखित पत्र में सूचित किया कि भोपाल के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खां की संपत्तियों में पाकिस्तानी नागरिक आबिदा बेगम एवं आफताब जहां बेगम की विरासत / हस्तांतरित हुई हिस्सेदारी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है।

पत्र में सूचित किया गया कि मध्यप्रदेश के जिलों में शत्रु सम्पत्तियों का निरीक्षण करने के लिए सीईपीआई कार्यालय द्वारा एक सर्वेक्षक को नियुक्त किया गया है। वर्तमान में भोपाल सहित सभी जिलों में ऐसी संपत्तियों का पता लगाने के लिए संयुक्त निरीक्षण चल रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता अमिताभ अग्निहोत्री द्वारा इस संबंध में कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, कस्टोडियन कार्यालय मुंबई, कस्टोडियन कार्यालय नई दिल्ली, मप्र शासन के मुख्य सचिव एवं कलेक्टर, भोपाल को साक्ष्य एवं सुझाव सहित ज्ञापन दिया था। इसमें मांग की गई थी कि भोपाल रियासत के भारतवर्ष में 30 अप्रैल, 1949 को विलय के मर्जर एग्रीमेंट में भी मूल प्रति की नवाब भोपाल परिवार से मांग की गई। इस मर्जर एग्रीमेंट की मूल प्रति के आधार पर नवाब भोपाल परिवार की चल-अचल संपत्तियों का निर्धारण हो, फोटोकॉपी अथवा सत्यापन की प्रति से नहीं। यदि नवाब परिवार मर्जर एग्रीमेंट की मूल प्रति प्रस्तुत नहीं करें, तो उसकी चल-अचल संपत्ति राजसात की जाए।

इस मामले में भोपाल रियासत की मर्जर संपत्तियों, शत्रु संपत्तियों एवं जागीरदारी के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों की ईमानदार एवं निष्पक्ष अधिकारियों से जांच कराई जावे। साथ ही भोपाल के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खां की संपत्तियों में पाकिस्तानी नागरिक आबिदा बेगम और आफताब जहां बेगम को विरासत/हस्तांतरित हुई हिस्सेदारी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है।

भोपाल में 22 करोड़ की सरकारी और निजी जमीन से हटाए कब्जे

भोपाल। राजधानी के हुजूर तहसील में अवैध और बिना अनुमति के कॉलोनी काटने वालों पर लगातार एक्शन जारी है। कृषि भूमि पर विकसित अवैध कॉलोनी पर जिला प्रशासन की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। यहां जेसीबी से पैविंग ब्लॉक की फर्श के साथ बाउंड्रीवॉल और गेट तोड़ा गया। बताया जा रहा है कि कलेक्टर को कौशलेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया के नेतृत्व में करीब 12 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन अतिक्रमणमुक्त कराई गई। इसी तरह, करीब 10 करोड़ रुपए की निजी जमीन से बिना अनुमति और अवैध तरीके से काम करने वालों पर जेसीबी चलाई गई। बताया जा रहा है कि गत दिवस छावनी पठार, बरखेड़ा नाथू स्थित मिलेनियम कॉलेज, ग्रीनवुड फॉर्म्स राजपाल सिंह मयूरी गार्डन, रॉयल रिसोर्ट पर एक्शन लेते हुए कब्जे हटाए गए। इसी तरह, ग्राम कोडिया नंदनी में खेल मैदान की भूमि को चिन्हांकित करके ग्राम पंचायत को सरकारी भूमि सुपुर्द कराई गई। यहां से कब्जे और अतिक्रमण को हटाया गया।

कोटगेट में आज मत प्रदेश हाउस बोर्ड द्वारा मध्य प्रदेश के सभी इंजीनियर्स के लिए आरिफ पर्यावरण और संरक्षित शहरों को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया शहरी पर्यावरण की क्षेत्र में काम करने वाली संस्था टेरी के विशेषज्ञों द्वारा प्रजेंटेशन दिया गया इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के सभी संभाग कार्यकारी अभियंता सहायक अभियंता एवं डिप्टी कमिश्नर एवं मुख्यालय इंजीनियर सम्मिलित हुए

सेना का अपमान नहीं सहा जाएगा

रिटायर्ड सैन्य अधिकारी मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव , विंग कमांडर अरुण पाण्डेय, कैप्टन सोडी, सूबेदार मेजर बाई.डी सिंघा, सूबेदार मेजर बी के शर्मा, नायब सूबेदार होम सिंह, हवलदार राजेश चौधरी एवं अन्य साथी, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भाजपा के मंत्रियों द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयानों के विरोध में संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

बाणगंगा हादसे के बाद भोपाल के नए RTO ने संभाला काम, एक हजार से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस की पेडेंसी सहित अन्य काम होंगे पूरे

भोपाल। राजधानी के बाणगंगा चौराहे पर हुए हादसे के बाद लापरवाही के चलते भोपाल ऋ्रह जितेंद्र शर्मा को निलंबित कर दिया गया था। करीब तीन दिन बाद शासन ने सीहोर के जिला परिवहन अधिकारी रीतेश तिवारी को भोपाल का नया प्रभारी आरटीओ पद पर पदस्थ किया गया है। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है।

प्रभारी ऋ्रह पदस्थ होने के बाद तीन दिन से परेशान हो रहे सैकड़ों ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने

वालों को अब राहत मिलेगी। बताया जा रहा है कि करीब तीन दिन में एक हजार से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यूवल, परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य कामों की फाइलें पेडिंग हो गई है, जिनका काम अब निपटाया जाएगा।

तीन दिन से काम हो रहा था प्रभावित- बताया जा रहा है कि बाणगंगा हादसे के बाद भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा को निलंबित करने के बाद करीब तीन दिन तक भोपाल आरटीओ में किसी को प्रभार नहीं दिया गया था। ऐसे में साइनिंग अथॉरिटी आरटीओ होने के कारण परमानेंट लाइसेंस में हस्ताक्षर नहीं होने के कारण करीब चार दर्जन से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस के दस्तावेज स्वत- ही निरस्त हो गए थे। ऐसे में अब इन आवेदकों को दोबारा फिर से अतिरिक्त यानी दोबारा फीस भरकर आवेदन करना होगा। वहीं, तीन दिन से ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यूवल और परमानेंट लाइसेंस का काम भी अटक गया था।

पेज का शेष

ताहिर अली
लेखक जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं

भोपाल: तहज़ीब, तालीम, तरक्क़ी और तासीर का शहर

रईस भूरा, मुन्ने मॉडल ग्राउंड, मुन्ने पेंटर, मुईन क़द्दे और माहिर मदीना ये नाम जैसे ही कान में पड़ें, पूरा मोहल्ला मुस्करा उठता है।

भोपाल की गलियों में लोग नाम से कम और उर्फ़ियत से ज़्यादा जाने जाते हैं। जावेद चपटे और जावेद चिराटे जैसे नामों में मज़ाकिया तंज है, तो बन्ने पहलवान और बन्ने लखेरा में मोहल्ले की दो अलग-अलग शख्सियतें झलकती हैं। कल्लू अट्ठे, बाबू भड़भुजे, मुन्ने फुक्की, ईरानी और डूंड जैसे नाम रोज़मर्रा की आदतों, मज़ाक या पेशे से जुड़े हैं। सईद बुल, छुटकटे, वहीद ढेलकी, आरिफ पिस्स, और अनफिट भोपाल की उस खास तासीर को दर्शाते हैं, जहां हर नाम के पीछे एक किस्सा है – हँसी, अपनापन और तंज से भरा। यही भोपाल की असली पहचान है – उर्फ़ियतों में बसी यारी और यादें। भोपाल की इन मज़ेदार उर्फ़ियतों में वो अपनापन है, जो किसी में नहीं मिलता सिर्फ मोहल्लों की यादों और बातों में ही जिंदा रहता है।

हिंदू-मुस्लिम एकतासांस्कृतिक सह-अस्तित्व की मिसाल- भोपाल की सांस्कृतिक विरासत की सबसे मजबूत कड़ी उसकी हिंदू-मुस्लिम एकता है, जो सिर्फ सामाजिक सौहार्द का प्रतीक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक संघर्षों के बीच पनपी सहिष्णुता और साझेदारी की अनूठी मिसाल है। जब देश के अन्य हिस्सों में अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' नीति ने सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया, तब भी भोपाल ने अपनी गंगा-जमुनी तहज़ीब को संजोए रखा। हर वर्ग के लोगों ने एक दूसरे से बहुत प्यार मोहब्बत के साथ दिली लगाव रखा। सन 1812 की लड़ाई में हिंदू योद्धाओं जैसे डांगर सिंह, जय सिंह, और अमन सिंह पटेल ने भोपाल की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि युद्ध में महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की, यह दिखाते हुए कि भाईचारा केवल धार्मिक स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के स्तर पर भी जीवित था।

भोपाल रियासत के प्रशासन में हर कालखंड में हिंदुओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। दीवान (प्रधानमंत्री) जैसे उच्च पदों पर लाला घानी राम, लाला फूलानाथ, राजा अवध नारायण जैसे हिंदू अधिकारी रहे। यह समावेशिता केवल औपचारिक नहीं थी – ये अधिकारी नवाबों के विश्वासपात्र भी थे। नवाब कुदसिया बेग़म के दरबार में एक हिंदू, एक मुसलमान और एक ईसाई मंत्री नियुक्त थे – यह उस समय की धार्मिक विविधता के प्रति सम्मान का प्रतीक था। रियासत के इंजिमाम (शामिल करने) के बाद शरीफ़ शरणार्थियों में (उच्च परिवार के शरणार्थी) सरदार गुरबख्श सिंह भी थे, जिनके बेटे अमरीक सिंह रंजीत होटल चलाते हैं। वे बहू मियाँ के साथ ईद पर नवाब साहब को सलाम करने जाते। एक बार नवाब साहब ने पूछा कि भोपाल कैसा लग रहा है, तो सरदार साहब ने हाथ जोड़कर कहा कि जहाँ गरीब परवर सरकार का साया हो, वहाँ कोई कैसे न खुश हो – यह कहते हुए वे भावुक हो गए।

धार्मिक सहिष्णुता के उदाहरण- नवाबों ने हिंदू नागरिकों और जागीरदारों के अधिकारों को बराबरी से सम्मान दिया। नवाब सुल्तान जहां बेग़म ने रंग पंचमी पर रंग और सावन के झूले जैसे हिंदू पर्वों में भाग लिया, और गरीब हिंदुओं के लिए सदाव्रत योजना शुरू की, जिसमें उन्हें भोजन और यात्राओं के लिए सामग्री दी जाती थी। हवा महल की दीवार इसलिए टेढ़ी बनाई गई क्योंकि पास के एक हिंदू नागरिक ने अपनी जमीन बेचने से इनकार किया था – सरकार ने उस निर्णय का सम्मान किया। भोपाल में न कभी विशुद्ध मुस्लिम मोहल्ले रहे, न विशुद्ध हिंदू – सब एक साथ रहते थे। त्योहार, शादियाँ, दुःख-सुख सब साझे होते थे। इसी समरसता ने उर्दू भाषा के विकास को सहज वातावरण दिया। उर्दू न केवल दरबार की भाषा बनी, बल्कि आम जीवन की भाषा भी, जिसमें दोनों समुदायों ने योगदान दिया। भोपाल का इतिहास केवल एक रियासत की कहानी नहीं, बल्कि यह सांप्रदायिक सौहार्द, धार्मिक सहिष्णुता और सांस्कृतिक सहभागिता का जीवंत दस्तावेज़ है। यह आज के भारत के लिए भी एक प्रेरणा है कि विभिन्न धार्मिक समुदाय कैसे सम्मान, सहयोग और साझा विरासत के आधार पर एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

दिनों के नाम पर मोहल्लों के नाम- भोपाल की दिलचस्प रचनात्मकता इसके मोहल्लों के नामों में भी झलकती है मंगलवारा, बुधवारा, इतवारा, जुमेराती, पीरगेट इन मोहल्लों में किसी एक समुदाय की पहचान नहीं बल्कि पूरे शहर की साझी संस्कृति की झलक मिलती है। यही कारण है कि यहाँ के लोग आपदाओं में एक-दूसरे की मदद के लिए सबसे पहले खड़े नजर आते हैं। शुजा खां का अड्डा भोपाल की उन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गलियों में से एक है, जिसकी मिट्टी ने कई नामचीन और असरदार शख़्सियतों को जन्म दिया है। यूँ तो रियासत भोपाल में जुमेराती के काका मियाँ, इब्राहीमपुरा के तब्बू मियाँ और शफ़ीक़ पठान, लक्ष्मी टॉकीज़ के रफ़्फ़ू पहलवान, बुधवारा के डॉक्टर ज़हीरुलइस्लाम, इमामी गेट के हकीम अख़्तर आलम और सर्राफा चौक के मुन्नू लाल जोहरी जैसे कई मशहूर लोग गुज़रे हैं, मगर शुजा खां का अड्डा की अपनी एक अलग ही तारीख़ है। यहाँ की सरज़मीन न केवल ज़रखेज़ रही है, बल्कि इसने समाज, अदब और कारोबार के कई सितारों को भी रौशन किया है। समय के साथ यह इलाका अब एक बड़ा कारोबारी केंद्र बन चुका है, जिसकी वजह से पुराने बाशिंदों के कई ख़ानदान सुकून की तलाश में शहर के अलग-अलग वीआईपी इलाकों में जाकर बस गए हैं। लेकिन इस मोहल्ले की रौनक कभी ज़हूर हाश्मी, शिक्षाविद डॉ. सैय्यद अशफ़ाक अली, खान शाकिर अली खान, शायर अख़्तर सईद खां, नवाब मियाँ 'सिगरेट', मौलाना इमरान खां, अल्लामा खालिद अंसारी, शर्की खालिदी और सालिक भोपाली जैसे रौशन चहरों से जगमगाया करती थी।

भोपाल का गुटका, बटुआ और नवाबी बटुए- एक ज़माना था जब भोपाल के गुटके की खासियत हर जगह मशहूर थी। ये वो गुटका नहीं, जो आज की तरह लोगों की जेब में रहता है, बल्कि ड्रायफ्रूट, रंग-बिरंगे मसालों और इत्र की सुगंध से तैयार होता था, जिसे खूबसूरत बटुओं में सजाकर पेश किया जाता था। भोपाल के 'बटुए' नवाबी शान की निशानी थे, और आज भी सर्राफा बाजार की कुछ दुकानों पर यह परंपरा जीवित है।

भाईचारे की कहानियाँ रिश्तों की गर्मी- भोपाल एक ऐसा शहर है जहां किसी एक विशेष समुदाय के मोहल्ले नहीं बल्कि सारे समुदाय समझदारी, भाईचारा और आपसी प्रेम के साथ एक साथ रहते हैं। किसी आपदा-विपदा में एक-दूसरे की मदद करते नजर आते हैं। मैं खुद भोपाल के इतवारा मोहल्ले का निवासी रहा हूँ। हमारे पुश्तैनी मकान के सामने साहू समाज का परिवार रहता था, जो आज भी हमारे दिल के बेहद करीब है। मेरी बहन ने इस परिवार को राखी बाँधी थी। मेरी बारात में ये परिवार हमारे साथ सीहोर तक गया, और जब 1977 में मेरी माताजी का निधन हुआ, तो पहली रसोई इन्हीं के घर से आई। आज भी हमारे सुख-दुख में वही आत्मीयता बरकरार है।

भोपाल: धर्मनिरपेक्ष पहचान का प्रतीक- भोपाल के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक, काली माता का मंदिर, छोटे तालाब क्षेत्र में स्थित है और एक ऐतिहासिक धार्मिक स्थल के रूप में जाना जाता है। वहीं एयरपोर्ट क्षेत्र में स्थित मनुआभान की टेकरी पर श्वेतांबर जैन समुदाय का एक प्रसिद्ध मंदिर है। अब इस टेकरी को महावीर गिरी के नाम से भी जाना जाने लगा है, जहां प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। बिड़ला मंदिर भोपाल का श्रद्धा का केंद्र है। चौक स्थित प्राचीन आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बहुत मशहूर है। इसके साथ ही बिडला मंदिर सहित अनेक मंदिर आस्था के केन्द्र है। भोपाल में सिख धर्म की उपस्थिति सुदीर्घ और प्रभावशाली रही है, जिसका प्रतीक हैं शहर के तीन प्रमुख ऐतिहासिक गुरुद्वारे ङ्क शाजहानाबाद, हमीदिया रोड और इदगाह हिल्स। शाजहानाबाद स्थित गुरुद्वारा नानकसर 19वीं सदी में स्थापित हुआ और आज भी गुरबाणी, संगत और लंगर की परंपराओं को जीवंत रखे हुए है। हमीदिया रोड का गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहर का प्रमुख धार्मिक व सामाजिक केंद्र है, जहाँ कीर्तन, शिक्षण शिविर और सामूहिक सेवाएं नियमित रूप से होती हैं। वहीं इदगाह हिल्स स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार आध्यात्मिक शांति व प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल है, जहाँ पर्वों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं। ये तीनों गुरुद्वारे न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र हैं, बल्कि सेवा, एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल भी पेश करते हैं। भोपाल की सबसे पुरानी चर्चें शहर के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण हैं। सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी कैथेड्रल चर्च 150 वर्षों से अधिक पुराना है और नवाब सिकंदरजहां बेगम की अनुमति से ब्रिटिश काल में बना। इसकी वास्तुकला और शांति इसे प्रार्थना का प्रिय स्थल बनाते हैं। सेंट जोसेफ कैथोलिक चर्च एक शांत वातावरण वाला यह चर्च, भोपाल की सबसे पुरानी पूजा स्थलों में से है, जो सामुदायिक कार्यक्रमों और त्योहारों में सक्रिय भूमिका निभाता है। इम्फेंट जीसस चर्च की सुंदर वेदी और क्रिसमस के अवसर पर भव्य सजावट इसे विशेष बनाती है। यह धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। इन चर्चों की उपस्थिति भोपाल की सर्वधर्म समभाव की परंपरा को और मज़बूत बनाती है।

नवाबों की विरासत: ताजमहल से लेकर बाबे-ए-आली तक- भोपाल के ताज महल की इमारत, जिसे नवाब हमिदुल्ला खान ने पाकिस्तान से आए सिंधी शरणार्थियों को शरण देने के लिए समर्पित किया था, आज भी सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल है। भोपाल शहर के बीचों-बीच स्थित जामा मस्जिद हिंदू-मुस्लिम एकता की परिचायक है। गोलघर, गौहर महल, मिंटो हॉल, सदर मंजिल और बॉबे आली जैसी शानदार इमारतें अपनी खूबसूरती और भाईचारे की गवाह हैं। भोपाल में किसी जमाने में खवातीन (महिलाओं) के लिए घरेलू सामान की जबरदस्त प्रदर्शनी बाबे-ए-आली में लगा करती थीं। जिसमें शहर के बड़े ताजिर (व्यापारी) अपनी दुकानें प्रदर्शनी में लगाया करते थे। प्रदर्शनी में 10 साल से ज्यादा के पुरुषों को आने की अनुमति नहीं थीं। भोपाल के नबाव होली त्योहार के बाद रंगपंचमीं पर शहरवासियों के साथ मिलकर रंग खेलते थे। उस जमाने में शादियां मोहल्ले में शामीयाने लगा कर की जाती थी। भोपाल की पहचान उस दौर में खास सवारी तांगा से हुआ करती थी। शादी समारोह में शामिल होने आए मेहमानों का तांगा सवारी का किराया खुद अदा करते थे।

बरकतउल्ला भोपाली: आज़ादी की अलख जगाने वाला अज़ीम सपूत- भोपाल की सरज़मीं को यह फ़ख्र हासिल है कि यहाँ एक ऐसा जांबाज़ स्वतंत्रता सेनानी पैदा हुआ, जिसने अपनी पूरी जिंदगी भारत की आज़ादी के नाम कर दी। मौलाना मोहम्मद बरकतउल्ला भोपाली– एक ऐसा नाम, जो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ज्वाला बनकर उभरा। कच्चे मकान में जन्मे इस अज़ीम शख्स ने दुनिया के 26 देशों में 45 सालों तक भटकते हुए स्वतंत्रता की मशाल को जलाए रखा। 1890 में जब वो इंग्लैंड पहुंचे, तो देखा कि एक ही साम्राज्य में एक देश (इंग्लैंड) सम्पन्न और दूसरा (भारत) बदहाल क्यों है? इस अन्याय के खिलाफ उन्होंने कलम और जुबान को हथियार बनाया। पेरिस में 'अल-इंक़लाब' के संपादक बने, जापान में 'इस्लामिक फ्रेटरनिटी' नामक अखबार शुरू किया, जर्मनी में लाला हरदयाल के साथ 'ग़दर पार्टी' की नींव रखी और अमेरिका में जाकर भारतीयों को एकजुट किया। 1915 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने रूस में क्रांतिकारी लेनिन से मुलाकात की, और गांधीजी के मार्गदर्शन में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह के साथ मिलकर अफगानिस्तान में निर्वासित भारत सरकार की स्थापना की। इसमें बरकतउल्ला भोपाली को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। उनके नाम पर भोपाल में आज 'बरकतउल्ला विश्वविद्यालय' और 'बरकतउल्ला भवन' स्थापित हैं।

शायरों, हाकी खिलाड़ियों और पूर्व राष्ट्रपति की धरती- भोपाल ने देश को न केवल नामचीन शायर और लेखक दिए, बल्कि हॉकी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। खपोटा लकड़ी से बनी हॉकी स्टिक लेकर इस शहर के खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया। यही भोपाल है जिसने डॉ. शंकर दयाल शर्मा को राष्ट्रपति पद तक पहुँचाया यह हर भोपाली के लिए गर्व की बात है। भोपाल का जिक्र करेंगे तो ओबेदुल्ला खां हाकी गोल्ड कप का उल्लेख होना भी जरूरी है, नहीं तो यह अधूरा माना जाएगा। ये टूर्नामेंट भोपाल में एक जश्न की तरह मनाया जाता था। भोपाली पूरे साल इस का इन्तेजार करते थे। हिंदुस्तान के अलावा इन्टरनेशनल टीमें में भी इस टूर्नामेंट में भाग लेती थी। साइकिलों का दौर था हर साइकिल सवार ऐशबाग स्टेडियम की तरफ नजर आता था।

यह जानना भी ज़रूरी है कि रियासत भोपाल की बेगम सुल्तान जहां के बेटे प्रिंस औबेदुल्ला ख़ान के नाम पर इस टूर्नामेंट की शुरुआत 1931-32 में हुई थी। यह भारत में हॉकी का सबसे पुराना हॉकी टूर्नामेंट माना जाता है। उस दौर में अकेले भोपाल में ही 65 हॉकी क्लब थे। वहीं रायसेन जिले का कस्बा 'औबेदुल्लागंज' भी प्रिंस औबेदुल्ला के नाम पर ही रखा गया है। एक ज़माने में भोपाल को 'हॉकी की नर्सरी' कहा जाता था।

भोपाल: नंबरों का शहर- वक्त के साथ भोपाल शहर बढ़ता गया, नई बसाहटों के नए-नए नाम आये। विस्तारित हुए शहर भोपाल के इलाकों की शिनाख्त नंबरों से भी होती है। सबसे पहले आता है 1250, मतलब जिला अस्पताल जयप्रकाश चिकित्सालय, जिसे ज्यादातर लोग 1250 या जेपी अस्पताल कहते हैं। अस्पताल का नामकरण इस इलाके में बने 1250 सरकारी आवासों से है। आवास और अस्पताल दोनों 1250 के नाम से जाने जाते हैं। करीब ही सेकेंड है, यानी कभी यहां सिटी बस को दो नंबर स्टॉपेज हुआ करता है। हालांकि, इलाके का असली नाम तुलसीनगर है। सेकंड से आगे बढ़े तो मालूम नहीं क्यों तीन व चार ग़ायब हैं और सीधे पांच नंबर इलाका और पांच नंबर मार्केट। असलियत में ये शिवाजी नगर इलाके का हिस्सा है। पांच के बाद छह नंबर भी शिवाजी नगर का ही हिस्सा है। इतना ही नहीं मिनी बस वालों और यात्रियों की सहूलियत के लिये छह नंबर और सात नंबर स्टॉप के बीच सवा छह और साढ़े छह भी हैं। इन इलाकों में रहने वाले खुद के पते के बारे में यही बताते हैं। सात नंबर के बाद आठ नंबर स्टॉप को आठ नंबर कम रविशंकर मार्केट के नाम से ही जाना जाता है। यहां के वाणिज्यिक इलाके को नौ नंबर के नाम से जाना जाता है। आगे 10 और 11 नंबर के बीच साढ़े 10 नंबर भी पता बन चुका है। इसके बाद 11 नंबर और उससे बायीं तरफ 1100 आ गया। यहां भी इलाके की पहचान 1100 सरकारी क्वार्टर्स की वजह से है। वापस बस स्टॉप की रवायत में आएं तो 11 नंबर से आगे बढ़े तो 12 नंबर, और इसी लिये भोपाल के नए शहर के पीडब्ल्यूडी दफ्तर के भवन को 12 नंबर दफ्तर के नाम से जाना जाता है। नंबरों वाला होने में शहर के सबसे ज्यादा पॉश इलाके भी पीछे नहीं हैं। चार इमली, 74 बंगले और 45 बंगले हैं। जहां संतरी से मंत्री तक और बाबू से सबसे बड़े बाबू (आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अफसर) के साथ ही राज्य शासन के दूसरे अफसर रहते हैं। चार इमली के बारे में शहर के बुजुर्ग बताते हैं कि जब भोपाल राजधानी नहीं था तब यहां घना जंगल था और इमली के चार बड़े पेड़ थे। पैंतालीस और चौहत्तर बंगले भी बंगलों की संख्या के कारण बने। अब शहर का प्रसार निरंतर हो रहा है। नित-नए इलाके प्रकट हो रहे हैं। अब भोपाल शहर पूंछ की तरफ बढ़ रहा है। पूंछ में शामिल हो रहे हैं होशंगाबाद रोड एनएच-12 के दोनों तरफ के आर्केड, पैलेस, विला, विहार और पुरम। नई कॉलोनियों की बसाहट भोजपुर की ओर जाने वाले मोड़ तक पहुंच गई है। भोपाल की लंबी होती पूंछ की फिलवक्त लंबाई मील में है, लिहाजा इसे 11 मील कहते हैं।

आधुनिक भोपाल की ओर, स्मार्ट सिटी की उड़ान- वर्तमान में भोपाल एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। ओवरब्रिज, स्मार्ट रोड, मेट्रो रेल जैसे प्रोजेक्ट्स पुराने शहर को नए शहर से जोड़ रहे हैं। एयरपोर्ट अब भी विशेष सेवाओं के लिए कार्यरत है और पुराने दौर की 'पुतली घर' नामक कपड़ा मिल की मीनार आज भी इतिहास की गवाही देती है।

दुआओं में बसा है मेरा भोपाल- मेरे अतीत के झरोखे से कुछ यादगार पल जो मैंने आज भी अपनी यादों में संजोकर रखे हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँकि 71 वर्ष की उम्र में आज भी भोपाल की इस संस्कृति, भाईचारे और शांति से जुड़ा हूँ। यही दुआ करता हूँ कि यह शहर सदा यूं ही फले-फूले, इसकी गंगा-जमुनी तहज़ीब को कभी कोई बुरी नज़र न लगे और इसकी खूबसूरती बनी रहे।